R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 167 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 27 मई 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

मेकेदातु परियोजना पर तमिलनाडु सख्त, पीएम मोदी से सीएम विजय ने लगाई गुहार

चेन्नई/नई दिल्ली । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु परियोजना को लेकर केंद्र सरकार के सामने कड़ा रुख अपनाया है। दिल्ली दौरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संभावित मुलाकात से पहले विजय ने पीएम को पत्र लिखकर कर्नाटक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) खारिज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सुप्रीम कोर्ट और कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के आदेशों का उल्लंघन करती है। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा मेकेदातु परियोजना के भूमि पूजन की घोषणा और नए जलाशय निर्माण की तैयारी तमिलनाडु के किसानों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अनदेखी कर रही है। विजय ने प्रधानमंत्री से अपील की कि कर्नाटक को निर्देश दिए जाएं कि वह अन्य राज्यों की सहमति के बिना कोई नई परियोजना शुरू न करे।

अपने पत्र में विजय ने कहा कि कावेरी जल विवाद का समाधान लगभग तीन दशक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद हुआ था और 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने नदी के जल बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला दिया था। ऐसे में मेकेदातु परियोजना पर आगे बढ़ना न्यायालय के आदेशों की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा

कि इस प्रस्ताव से तमिलनाडु के लाखों किसानों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उनकी खेती और आजीविका कावेरी नदी के पानी पर निर्भर है। दरअसल, मेकेदातु परियोजना कर्नाटक के रामनगर जिले में कावेरी और अर्कावती नदी के संगम क्षेत्र में प्रस्तावित है। करीब 9 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना के तहत 67 टीएमसी क्षमता का जलाशय बनाया जाना है। कर्नाटक सरकार का कहना है कि इससे बेंगलुरु और आसपास के इलाकों में पेयजल संकट दूर होगा और अतिरिक्त वर्षा जल को संग्रहित किया जा सकेगा। हालांकि तमिलनाडु का आरोप है कि इस बांध के जरिए कर्नाटक कावेरी नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है, जिससे निचले क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी। कावेरी जल बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से विवाद रहा है और यह मुद्दा अक्सर राजनीतिक तनाव का कारण बनता रहा है।

डेमोग्राफिक बदलाव पर केंद्र सख्त, अमित शाह ने बनाई हाई लेवल कमेटी

नई दिल्ली । अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और असामान्य जनसंख्या बदलाव को गंभीर चुनौती बताते हुए हाई लेवल कमेटी के गठन की घोषणा की है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित यह समिति पूरे देश में हो रहे डेमोग्राफिक बदलावों का अध्ययन करेगी और इससे जुड़े खतरों तथा समाधान पर रिपोर्ट तैयार करेगी। गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला "अननेचुरल डेमोग्राफिक चेंज" देश की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस मुद्दे पर हाई लेवल कमेटी बनाने की घोषणा की थी, जिसके बाद अब

समिति का गठन कर दिया गया है। सरकार द्वारा गठित इस समिति की अध्यक्षता रिटायर्ड जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर करेंगे। समिति में जनगणना आयुक्त के अलावा पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और अर्थशास्त्री डॉ. शमिका रवि को सदस्य बनाया गया है। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (Foreigners-I) समिति के सदस्य सचिव होंगे। अमित शाह ने कहा कि यह कमेटी धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर हो रहे असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का विश्लेषण करेगी। साथ ही अवैध प्रवास, घुसपैठ और उससे जुड़े प्रभावों का व्यापक मूल्यांकन कर समयबद्ध समाधान सुझाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि हर अवैध व्यक्ति की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करना भी है। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (BSF) और राज्य प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया।

इसी बीच पश्चिम बंगाल में घुसपैठ के खिलाफ चल रही कार्रवाई के कारण बांग्लादेश सीमा पर हलचल बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई लोग वापस बांग्लादेश लौटने के लिए सीमा चौकियों पर पहुंच रहे हैं। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

'भगत दा' को पद्म भूषण, गांव से राजभवन तक का प्रेरणादायक सफर

देहरादून । भगत सिंह कोश्यारी को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। शिक्षा, समाज सेवा, पत्रकारिता और सार्वजनिक जीवन में उनके लंबे योगदान को देखते हुए यह सम्मान दिया गया। उत्तराखंड में प्यार से 'भगत दा' कहलाने वाले कोश्यारी का जन्म 17 जून 1942 को बागेश्वर जिले के छोटे से गांव पलानधुरा में हुआ था। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की और अंग्रेजी साहित्य में एमए करने के बाद शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने पहाड़ों में शिक्षा के विस्तार को मिशन बनाते हुए पिथौरागढ़ में सरस्वती शिशु मंदिर और विवेकानंद इंटर कॉलेज की स्थापना में अहम भूमिका

निभाई। साथ ही पत्रकारिता के माध्यम से पहाड़ के मुद्दों को आवाज दी। आपातकाल के दौरान सक्रियता के चलते उन्हें मीसा कानून के तहत जेल भी जाना पड़ा। उत्तराखंड आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। राज्य गठन के बाद वे ऊर्जा मंत्री, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जैसे अहम पदों पर रहे। बाद में राज्यसभा सांसद और नैनीताल-ऊधमसिंहनगर से लोकसभा सांसद भी बने। वर्ष 2019 में उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण की मिसाल माना जाता है।

दिल्ली में CNG फिर महंगी, पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़े

नई दिल्ली । इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) ने दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरों के बाद राजधानी में CNG अब 83.09 रुपये प्रति किलो हो गई है, जबकि पहले इसकी कीमत 81.09 रुपये थी। पिछले दो हफ्तों में यह चौथी बार है जब सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं। एनसीआर के अन्य शहरों में भी कीमतों में इजाफा हुआ है। नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में CNG 91.70 रुपये प्रति किलो, जबकि गुरुग्राम में 88.12 रुपये प्रति किलो हो गई है। अजमेर में इसकी कीमत 92.44 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। इसी के साथ सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी

की है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में भी ईंधन के दाम बढ़े हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, मध्य पूर्व में तनाव और सप्लाई को लेकर अनिश्चितता के कारण ईंधन महंगा हो रहा है। लगातार बढ़ती कीमतों से ऑटो, टैक्सी और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सीधा असर पड़ेगा, जिससे आम लोगों की जेब पर भी अतिरिक्त बोझ बढ़ने की आशंका है।

पाकिस्तान में इंटरनेट ठप, लोगों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के अपर साउथ वजीरिस्तान जिले में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं ठप होने से लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। सरवेकी और बरवनद क्षेत्रों में स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और संचार सेवाएं जल्द बहाल करने की मांग की। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 दिनों से मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद हैं, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ईद-उल-अजहा से पहले लोग अपने रिश्तेदारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। व्यापार, ऑनलाइन लेन-देन और छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई है। आपातकालीन सेवाओं और इलाज में भी दिक्कतें सामने आ रही हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मुख्य टावर में तकनीकी खराबी के कारण तीनों मोबाइल कंपनियों की सेवाएं बाधित हुई हैं। वहीं बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में भी छात्रों ने इंटरनेट बंदी और लैपटॉप वितरण में देरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। लगातार हो रही नेटवर्क बंदी को लेकर पाकिस्तान के कई इलाकों में लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

पन्ना में दर्दनाक हादसा: निर्माणाधीन कुआं धंसने से 5 मजदूरों की मौत, गांव में पसरा मातम

पन्ना (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। अजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बिहारपुरवा में निर्माणाधीन कुएं की मिट्टी अचानक धंसने से पांच मजदूर जिंदा दब गए, जिनकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन तब तक सभी मजदूरों की मौत हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब मजदूर निर्माणाधीन कुएं में खुदाई का काम कर रहे थे। अचानक कुएं की दीवार और आसपास की मिट्टी भरभराकर गिर गई, जिससे वहां काम कर रहे सभी मजदूर मलबे में दब गए। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाने का प्रयास किया। बाद में प्रशासन और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान

संभाला। मृतकों की पहचान चुन्नू यादव, रामपाल यादव, राजुमार यादव, आशीष यादव और चुनवाद पाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर एक ही यादव परिवार से जुड़े थे और लंबे समय से कुआं खोदने का काम कर रहे थे। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटनास्थल पर मौजूद मृतकों के परिजनों ने ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कुएं की खुदाई सुरक्षित तरीके से नहीं करवाई जा रही थी। परिजनों के मुताबिक पिछले साल से यहां काम चल रहा था और कुएं के आसपास की मिट्टी पहले से कट चुकी थी, इसके बावजूद दोबारा खुदाई शुरू करवा दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हादसे के बाद भी समय पर मदद नहीं पहुंची और जिम्मेदार लोग मौके से गायब हो गए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और गुस्से का माहौल बना हुआ है।

'मोहम्मद दीपक' का छलका दर्द, बोले- अब जिम बेचकर नौकरी तलाशनी पड़ेगी

देहरादून/कोटद्वार । दीपक कुमार उर्फ 'मोहम्मद दीपक' एक बार फिर चर्चा में हैं। मुस्लिम दुकानदार के समर्थन में खड़े होकर सुर्खियों में आए दीपक कुमार ने अब भाजपा और बजरंग दल से जुड़े लोगों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लगातार दबाव और आर्थिक नुकसान के कारण उन्हें अपना जिम बंद कर कोटद्वार छोड़ना पड़ सकता है। 42 वर्षीय दीपक कुमार कोटद्वार में 'हल्क' नाम से जिम चलाते हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ महीनों से उनके जिम में आने वाले लोगों की संख्या तेजी से कम हुई है। दीपक के अनुसार, बजरंग दल के डर और राजनीतिक दबाव के चलते कई लोग जिम आने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग जिम सदस्यों के घर जाकर उन्हें वहां आने से रोक रहे हैं, जिससे उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दीपक ने बताया कि जिम का मासिक किराया 40 हजार रुपये है और मौजूदा समय में केवल 60 से 65 सदस्य ही बचे हैं। आर्थिक

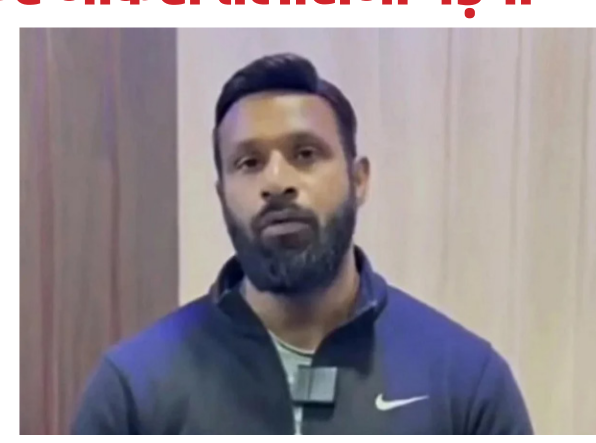

संकट के चलते वे चार महीने का किराया भी नहीं चुका पाए हैं। उनका कहना है कि अब वे जिम के उपकरण बेचकर किसी दूसरे शहर में नौकरी तलाशने की सोच रहे हैं। हालांकि जिम के मकान मालिक रवि कुमार मनराल ने कहा कि उन्होंने दीपक को जगह खाली करने के लिए नहीं कहा है, बल्कि किराये की स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है।

गौरतलब है कि 26 जनवरी को कोटद्वार में 'बाबा' नाम की एक कपड़ों की दुकान को लेकर विवाद हुआ था। बजरंग दल के कार्यकर्ता दुकान का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। इसी दौरान दीपक कुमार दुकानदार के समर्थन में सामने आए और विरोध कर रहे लोगों से बहस की। वायरल वीडियो में उन्होंने खुद को 'मोहम्मद दीपक' बताते हुए कहा था, "मैं सबसे पहले इंसान हूं।" इस मामले को लेकर शहर में कई दिनों तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा और पुलिस ने अलग-अलग एफआईआर दर्ज की थीं। बाद में दीपक ने अपने खिलाफ दर्ज केस को रद्द कराने के लिए उत्तराखंड हाईकोर्ट का रुख भी किया था, लेकिन अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

असम विधानसभा में यूसीसी पर बोले हिमंता सरमा, कहा- अल्पसंख्यक महिलाओं को मिलेगा सुरक्षा और न्याय

गुवाहाटी। हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को असम विधानसभा में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का जोरदार बचाव करते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को अधिक सुरक्षा और न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों को प्राथमिकता दे रही है।

विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने अपने पहले ही सत्र में यूसीसी विधेयक पेश कर यह स्पष्ट कर दिया था कि वह समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हम केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए यहां नहीं आए हैं। सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से समान नागरिक संहिता का प्रस्ताव लाया गया है।" मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रस्तावित यूसीसी कानून विवाह, विरासत, सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मामलों में समान कानूनी सुरक्षा प्रदान करेगा। उन्होंने विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कानून उन्हें अधिकतम सुरक्षा और अधिकार सुनिश्चित करेगा। सरमा ने विपक्षी दलों पर यूसीसी को लेकर लोगों को भ्रमित करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यह कानून किसी विशेष धर्म या समुदाय को निशाना बनाने के लिए नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों को समान अधिकार देने की दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने विधानसभा की पिछली चर्चाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह न्याय और समानता आधारित सुधारों को आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार यूसीसी को लैंगिक न्याय और महिला सशक्तिकरण के नजरिए से देखती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रस्तावित कानून में स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के हितों की भी रक्षा की जाएगी। वहीं विपक्षी दलों ने यूसीसी प्रस्ताव का विरोध जारी रखते हुए आरोप लगाया कि यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक परंपराओं में हस्तक्षेप कर सकता है। हालांकि राज्य सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य केवल समानता और संवैधानिक अधिकारों को मजबूत करना है।

गहलोत का BJP पर हमला, बोले- धर्म की राजनीति से मिली सत्ता

जोधपुर। अशोक गहलोत ने मंगलवार को जोधपुर दौरे के दौरान राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा ने धर्म की राजनीति के सहारे सत्ता हासिल की, लेकिन जनता की समस्याओं के समाधान में सरकार पूरी तरह विफल रही है। गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार के लगभग बारह साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन जनता को कोई बड़ी उपलब्धि दिखाई नहीं दे रही। उन्होंने जोधपुर में बढ़ते पेयजल संकट को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि उनकी सरकार ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना के जरिए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों तक पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम किया था। उन्होंने दावा किया कि तीसरे चरण के लिए करीब 1400 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए गए थे, लेकिन वर्तमान सरकार मॉनिटरिंग में असफल रही।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कार्यकाल में जोधपुर में मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, अस्पताल भवन और कई बड़े विकास कार्य हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार इन परियोजनाओं की देखरेख तक ठीक से नहीं कर पा रही है और केवल पुराने कार्यों का श्रेय लेने में लगी हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गहलोत ने कहा कि चिरंजीवी योजना अब केवल कागजों तक सीमित रह गई है। उनका आरोप था कि निजी अस्पताल मरीजों से पैसे वसूल रहे हैं और गरीबों को इलाज के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है।

यूपी में सपा सरकार बनी तो केंद्र में BJP गिरेगी, अखिलेश यादव का बड़ा दावा

लखनऊ । अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा "फेक एनकाउंटर" और "फेक अर्थव्यवस्था" के सहारे राजनीति कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई का असर सीधे आम जनता पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका बोझ गरीब व मध्यम वर्ग पर पड़ रहा है। उन्होंने भाजपा सरकार पर अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश करने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश में हो रही कथित फर्जी मुठभेड़ों को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि फर्जी एनकाउंटर लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग को डराने के लिए जाति और धर्म के आधार पर मुठभेड़ करवा रही है। उन्होंने कहा, "फर्जी मुठभेड़ नाकाम सरकार की पहचान है। इससे कानून-व्यवस्था नहीं सुधरती, बल्कि पुलिस तंत्र में भ्रष्टाचार बढ़ता है।" अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोगों में डर और नफरत का माहौल बनाकर सत्ता बनाए रखना चाहती है। सपा प्रमुख ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ों के जरिए समाज में हिंसक मानसिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने इसे मानवाधिकारों की हत्या बताते हुए कहा कि ऐसे मामलों में शामिल पुलिसकर्मी भी अंत में कानूनी और सामाजिक संकट का सामना करते हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा पर "मानसिक शोषण" की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार जनता के असली मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में सियासी बयानबाजी और तेज होने की संभावना है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

हमारा कृषि प्रधान देश होना आयातों में नहीं झलकता

भारत को हमेशा से कृषि प्रधान देश कहा जाता रहा है। यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है और गांवों की अर्थव्यवस्था का आधार भी कृषि ही है। इसके बावजूद आज स्थिति यह है कि देश को वनस्पति तेल, दालें, फल और यहां तक कि कच्चा कपास भी विदेशों से मंगाना पड़ रहा है। यह केवल आर्थिक चिंता का विषय नहीं, बल्कि हमारी कृषि नीति की कमजोरियों को भी उजागर करता है। वर्ष 2013-14 में भारत कृषि उत्पादों के मामले में मजबूत निर्यातक देश था। उस समय कृषि निर्यात आयात से लगभग 27 अरब डॉलर अधिक था। लेकिन 2025-26 आते-आते यह अंतर घटकर करीब 12.7 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट बताती है कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का दावा जमीन पर पूरी तरह सफल नहीं हो पाया है। असल समस्या फसल संतुलन की है। देश के कई हिस्सों में किसान लगातार गेहूं, धान और गन्ने जैसी फसलों पर निर्भर हैं। ये फसलें जहां अधिक पानी मांगती हैं, वहीं जमीन की उर्वरता और भूजल स्तर पर भी बुरा असर डालती हैं। कृषि वैज्ञानिक लंबे समय से फसल चक्र अपनाने और दलहन-तिलहन जैसी फसलों की खेती बढ़ाने की सलाह देते रहे हैं। इससे मिट्टी की सेहत सुधरती है, पानी की बचत होती है और आयात पर निर्भरता भी कम हो सकती है। सरकार ने इस बार खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बदलाव कर संकेत दिया है कि वह किसानों को दलहन, तिलहन और कपास की ओर आकर्षित करना चाहती है। चावल के एमएसपी में मामूली बढ़ोतरी और मोटे अनाज को बढ़ावा देना भी इसी दिशा का कदम है। लेकिन केवल एमएसपी बढ़ा देने से तस्वीर नहीं बदलेगी। किसानों की सबसे बड़ी चिंता जोखिम की है। दलहन और तिलहन की फसलें पाला, कीट और रोगों से जल्दी प्रभावित होती हैं। यदि फसल खराब हो जाए या बाजार में उचित दाम न मिले तो किसान भारी घाटे में चला जाता है। ऐसे में किसान सुरक्षित विकल्प के तौर पर वही पारंपरिक फसलें चुनता है जिनकी सरकारी खरीद सुनिश्चित है। इसलिए जब तक दलहन और तिलहन की प्रभावी बीमा व्यवस्था, भंडारण सुविधा और सरकारी खरीद की मजबूत गारंटी नहीं होगी, तब तक खेती का रुख बदलना आसान नहीं होगा। भारत के सामने चुनौती केवल उत्पादन बढ़ाने की नहीं, बल्कि कृषि नीति को संतुलित और दूरदर्शी बनाने की है। यदि देश को सचमुच कृषि प्रधान राष्ट्र की पहचान बनाए रखनी है तो किसानों को ऐसी व्यवस्था देनी होगी जिसमें वे कम पानी वाली, पोषणयुक्त और आयात घटाने वाली फसलों की खेती आत्मविश्वास के साथ कर सकें। तभी भारत की कृषि ताकत आंकड़ों और आयात-निर्यात के संतुलन में भी दिखाई देगी।

डिजिटल क्रांति में परिवार का पतन

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः का उद्घोष किया, जिस धरती से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कॅरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है। दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी गलती केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है। यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-

> **यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कॅरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है। दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं...**

पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए। आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में वृद्ध सम्मान को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है।

मंथन

विवेक मिश्रा

साझा परिवहन जैसे प्रयोगों से ही होगी ईंधन की बचत

वैश्विक अर्थव्यवस्था को दलदल में घसीट रहे, पश्चिम एशिया के संघर्ष से, भारत जैसे प्रगतिशील देश अछूते रह सकें, यह संभव नहीं है। ऊर्जा की नश्वर तैलीय तमन्नाओं के उन्माद ने तरक्की पसंद मुल्कों की सरल राहों को रोका है। अतिवाद और तेलीयकरण के परिवेश में शांति प्रयासों की कोई सुबह होती नहीं दिख रही है, बढ़ती हुई पेट्रोल डीजल की कीमतें इस वास्तविकता की पुष्टि कर रहीं हैं। ऐसे संकटकाल में प्रधानमंत्री की देशवासियों से उपयोग व उपभोग में संयम बरतने की अपील, धैर्य की सभी कसौटियों को कसने के बाद ही की गई होगी, हम यह मानकर चलें। राजनीतिक दृष्टि से इस अपील की गहन गवेषणा की जा सकती है। इस एवज में कि हम अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 85% विदेशों से आयात करते है, जिसमें फारस की खाड़ी वाले मार्ग का हिस्सा 35% है। चीन के बाद गोल्ड का सबसे बड़ा उपभोक्ता भारत है और यह भी आयात पर ही निर्भर है। इस तरह ईंधन और स्वर्ण आभूषण से दबी भारतीय अर्थव्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मुद्रा डॉलर पर बहुत निर्भर करती है, जंग से निर्मित हालातों में बढ़ती कीमतों और हमारी मांगों से विदेशी मुद्रा भंडार के तेजी से कम होने का खतरा बढ़ रहा है, जनवरी की तुलना में मई 2026 में यह लगभग 723 बिलियन डॉलर से 690 बिलियन डॉलर पर आ चुका है। इन परिस्थितियों में संयम के संयुक्त प्रयत्नों से ही हम भारत के प्रगति पथ को निर्बाध संचालित रख सकते हैं। संयुक्त प्रयास इसलिए महत्वपूर्ण है , क्योंकि यह हम 140 करोड़ भारतीयों के दैनंदिन व्यवहार और बरतने की आदतों से जुड़ा विषय है। प्रयासों के इस क्रम में नेतृत्व कर्ताओं द्वारा अपने काफिलों से कमोबेश पचास प्रतिशत वाहन कम करने की बात कही गई है, जिसकी पालना फिलहाल कई माननीयों के द्वारा सड़कों पर किए गए वाहन शक्ति प्रदर्शन में देखने को नहीं मिल सकी, हालांकि केंद्रीय व शीर्ष नेतृत्व सराहनीय रूप से प्रयास कर रहे हैं । निजी क्षेत्र जरूर अपने सशक्त तकनीकी ढांचे के दम पर वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्था को तुरंत मूर्तरूप दे सकते हैं। सरकारी कार्यालयों में भी अधिकारियों-कर्मचारियों के आवागमन को सार्वजनिक व साझा परिवहन से जोड़कर इच्छित परिणाम हासिल किए जा सकते है। अधिकांशतः सभी सरकारी दफ्तर सप्ताह में पांच दिन संचालित किए जाते हैं, लेकिन देशभर में स्कूल प्रायः सप्ताह में छह दिन लगाए जा रहे हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाशों की अवधि भी 1980 से 2010 तक 2 माह तक हुआ करती थी , यह अधिकांश राज्यों में अब 30 से 45 दिन तक सिमट चुकी है। आने वाले 1 वर्ष के लिए यदि 5 दिवसीय व्यवस्था और ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ाने का निर्णय लिया जाता है, तो कुछ चमत्कृत परिणाम हासिल हो सकते है। एक प्रयोग मॉडल के तरह हम इस पर विमर्श कर सकते हैं:- इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के हिसाब से देशभर के 10 लाख सरकारी स्कूलों में 51 लाख सरकारी शिक्षक कार्यरत हैं। यदि यह सभी शिक्षक बाइक साझा कर अपने अपने घरों से स्कूल आने जाने के लिए कम से कम 10 किलोमीटर का सफर भी तय करते हैं, तो एक मोटरसाइकिल से दो शिक्षकों को 200 एम.एल. पेट्रोल की जरूरत होती है। वहीं देशभर के शिक्षकों के साथ ईंधन की यह खपत 510000 लीटर /प्रतिदिन हो जाती है। पेट्रोल की इस खपत को यदि अगले एक वर्ष के लिए फाइव डे वर्किंग मॉडल और 2 महीने के ग्रीष्मकालीन अवकाश से जोड़ दें (मौजूदा 1 माह के अवकाश से 30 दिन अधिक) तो कुल 39,780,000 लीटर पेट्रोल की बचत की जा सकती है। इतने मात्रा के पेट्रोल को परिष्कृत करने में लगने वाले कच्चे तेल की तादाद 86,478,261 लीटर या 77,698 मीट्रिक टन हो जाती है। (1 लीटर कच्चे तेल से लगभग 450 एम.अल. पेट्रोल का उत्पादन होता है।) आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 478 करोड़ रुपये होगी। हालांकि यह तथ्य भी स्पष्ट करना जरूरी है, कि भारत में कच्चे तेल की प्रतिदिन खपत 7,50,000 मीट्रिक टन है,अर्थात वर्षभर किए गए इन तमाम प्रयासों के बाद भी हम एक दिन की खपत का केवल 10% प्रतिशत ही कच्चा तेल बचा सकेंगे, जो देश में मात्र ढाई घंटे की आपूर्ति को पूरा करेगा। प्रथम दृष्टया इस प्रयोग का सीमित प्रभाव क्षेत्र हमें हताशा से भर सकता है, किंतु यह ध्यान रखना होगा कि यह 51 लाख सरकारी शिक्षकों के साथ किया गया प्रयोग है और यह भारत की कुल जनसंख्या का मात्र 0.36% प्रतिशत है। इस मॉडल को स्कूलों में पढ़ने वाले 25 करोड़ विद्यार्थियों की संख्या के अनुपालन से और प्रधानमंत्री के 140 करोड़ भारतीयों से किए गए आग्रह के अनुशासन से जोड़ दिया जाए, तो अगले एक वर्ष में जो परिणाम हम हासिल करेंगे, वह प्रत्येक भारतीय को राष्ट्रभावना के अप्रतिम रोमांच से भर देगा।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिवत्व की साधना

संकलित

दर्शन

हर कर्म का आरंभ संकल्प से होता है। बातों को बनाने, बिगाड़ने व संभालने का आधार भी हमारा सोच रूपी कर्म है। अच्छे या बुरे सोच के कारण हमारे कर्म और कर्मफल सुखदायी व दुखदायी होते हैं। इसलिए कहते हैं, परमात्मा शिव अपनी शुद्ध और श्रेष्ठ संकल्पों से सोच को परिष्कृत कर दुनिया को परिवर्तित कर देते हैं। उनका प्रत्येक संकल्प मानवता का कल्याण व सद्ज्ञान है, जिसकी वर्षा से प्रकृति में शांति, संतुलन, सद्भावना व प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होता है। मानव जीवन व संसार से विकार, व्यभिचार, भ्रष्टाचार, पापाचार, दुख, कष्ट व हिंसा के ताप समाप्त होते हैं। परमात्मा के इस सृष्टि परिवर्तन या उद्धार कार्य से कृतज्ञ होकर हम श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा-अर्चना और व्रत-उपवास करते हैं। शिव की महिमा स्मरण, गायन, पूजन व श्रवण से श्रावण मास शिवमय हो जाता है। कहते हैं, चातुर्मास के आरंभ में भगवान विष्णु जब शयन में चले जाते हैं, तब परमात्मा शिव संसार की बागडोर संभालते हैं। शिव निराकार ज्योति स्वरूप हैं। वे शिव ज्ञान व योग सिखाकर मनुष्यों में सतयुगी दिव्य गुण व दैवी संस्कारों को पुनः विकसित करते हैं। जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, तब सृष्टि को बचाने एवं भक्तों की शुद्ध भावनाओं और कामनाओं का फल देने हेतु शिव अदृश्य रूप में संसार का कार्यभार संभालते हैं। ज्ञान सूर्य ज्योति स्वरूप शिव अपने ईश्वरीय ज्ञान व शिक्षा के प्रकाश द्वारा मनुष्यों के आसुरी अवगुणों को सद्गुण, दैवी चरित्र व दैवी संस्कारों में बदलते हैं।

सेवा का समर्पण भाव

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैनें समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैनें सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। क्योंकि ये ही लोग हमारे सच्चे हितैषी और सेवक होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

आस्था, मोक्ष व मानवता का महापर्व गंगा दशहरा

भारतीय संस्कृति में नदियों को केवल जलधारा नहीं बल्कि जीवन, चेतना और मोक्ष का स्रोत माना गया है। इनमें भी मां गंगा का स्थान सर्वोच्च है। करोड़ों भारतीयों की आस्था का केंद्र गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि सनातन सभ्यता की आत्मा हैं। हिमालय की गोद से निकलकर मैदानों को जीवन देने वाली गंगा सदियों से भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, कृषि, साहित्य और लोकजीवन की धुरी रही है। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला गंगा दशहरा दिव्य चेतना और गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का महापर्व है। मान्यता है कि इसी दिन मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थी। इस बार यह पर्व अत्यंत शुभ और दुर्लभ संयोगों में आया है। यह आस्था, मोक्ष व मानवता का महापर्व है।

- विवेक पटेरिया, राजनांदगांव

ट्रेंड

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं

भीषण गर्मी को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में नीट परीक्षा आयोजित करने वाले जिले के अधिकारियों व सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उचित निर्देश जारी करें। **-धर्मेंद्र प्रधान,** केंद्रीय शिक्षा मंत्री

देश में इबोला का केस नहीं

सभी अधिकारी देश भर में हवाई अड्डों, बंदरगाहों और भूमि सीमा पार करने सहित देश के सभी प्रवेश बिंदुओं पर इबोला स्क्रीनिंग व्यवस्था को पूरी तरह से सतर्क और मजबूत रखें। अभी देश में इबोला का कोई केस नहीं है यह राहत वाली बात है। **-जेपी नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

एक और संस्था धांधली का प्रतीक

मोदी-प्रधान की जोड़ी ने एक और संस्था को धांधली का प्रतीक बना दिया। दशकों में पहली बार सीबीएसई बोर्ड परीक्षा पर इतने गंभीर सवाल उठे हैं। 18.5 लाख बच्चों ने परीक्षा दी और एक हफ्ते से ओएसएम गलत मार्किंग और जांच की गड़बड़ी की शिकायतें अनसुनी पड़ी हैं और शिक्षा मंत्री अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं। **-राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

भारत में कम बढ़ोतरी

नेता विपक्ष राहुल गांधी देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया भर में तेल और डीजल की कीमतों में भारी उछाल आया है, हालांकि, इसकी तुलना में भारत में कीमतों में हुई बढ़ोतरी मामूली रही है, विशेष रूप से तब जब इसे अमेरिका, ब्रिटेन और खाड़ी देशों में हुई वृद्धि के साथ देखा जाए। **-गौरव भाटिया,** राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

श्रीलंका में कानून-व्यवस्था बनाने भारत ने दिए 134 पुलिस वाहन

भारत ने सोमवार को कोलंबो में राष्ट्रपति भवन परिसर में आयोजित समारोह में श्रीलंका को 134 पुलिस वाहन सौंपे, जिसे दोनों देशों के बीच 'बहुआयामी विकास साझेदारी' में एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इस सौदे से जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दिसंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की नयी दिल्ली यात्रा के दौरान हस्ताक्षर हुए थे। भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके की गरिमामयी उपस्थिति में श्रीलंका पुलिस को 30 करोड़ श्रीलंकाई रुपये से खरीदे गए 134 वाहन सौंपे गए।' उन्होंने बताया कि श्रीलंका पुलिस के अनुरोध पर की गई यह पहल सड़क सुरक्षा, नागरिकों को समय पर मदद पहुंचाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक होगी। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा कि इस बेड़े की सुपुर्दगी भारत और श्रीलंका के बीच सभी प्रमुख क्षेत्रों में जारी बहुआयामी विकास साझेदारी में एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। राष्ट्रपति दिसानायके के अलावा श्रीलंका के सुरक्षा मंत्री आनंद विजेपाल और पुलिस महानिरीक्षक प्रियंत वीरसुरिया भी समारोह में मौजूद थे।

ऑफ बीट

विटामिन बी3 सप्लीमेंट से त्वचा कैंसर के खतरे कम

त्वचा कैंसर दुनिया का सबसे आम प्रकार का कैंसर है। इस कैंसर का कारण लगातार धूप में रहने, गोरी त्वचा और उम्र बढ़ने से जुड़ा है। रोकथाम की मौजूदा रणनीतियां पराबैंगनी (यूवी) किरणों से बचाव और 'सनस्क्रीन लोशन' के इस्तेमाल पर केंद्रित हैं। यह भी देखने में आया है कि एक बार त्वचा कैंसर का पता चलने पर कई बार रोगियों को इसकी पुनरावृत्ति का सामना करना पड़ता है। निकोटिनामाइड एक सस्ता और व्यापक रूप से उपलब्ध सप्लीमेंट है, जिसका इस्तेमाल त्वचा कैंसर से बचाव के लिए किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि विटामिन बी3 का यह रूप पराबैंगनी किरणों से होने वाली क्षति के बाद त्वचा की प्राकृतिक मरम्मत प्रणालियों को मजबूत करता है, सूजन कम करता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को असामान्य कोशिकाओं का पता लगाने तथा उन्हें हटाने में मदद करता है। नये अध्ययन में 12,000 से अधिक रोगियों, जिन्होंने एक महीने से अधिक समय तक प्रतिदिन दो बार 500 मिलीग्राम निकोटिनामाइड लेना शुरू किया, की तुलना 21,000 से अधिक रोगियों से की गई, जिन्होंने इसे नहीं लिया। निकोटिनामाइड लेने वालों में फिर से त्वचा कैंसर के विकास का जोखिम 14 प्रतिशत कम देखा गया।

बीकानेर की सांचू पोस्ट पहुंचे अमित शाह, जवानों का बढ़ाया हौसला; बोले- पाकिस्तान को मिला मुंहतोड़ जवाब

बीकानेर । अमित शाह मंगलवार को बीकानेर स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की ऐतिहासिक सांचू पोस्ट पहुंचे, जहां उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उनके साथ मौजूद रहे। गृह मंत्री ने जवानों से 'राम-राम' कर संवाद किया, शहीद सीमा प्रहरियों को नमन किया और देश की सुरक्षा में बीएसएफ की भूमिका की सराहना की। प्रहरी सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश के सीमा प्रहरी कठिन से कठिन परिस्थितियों में राष्ट्र की सुरक्षा में डटे रहते हैं। तेज गर्मी, बारिश, बर्फीले इलाकों और दुर्गम सीमाओं पर तैनात जवान कर्तव्य, साहस और बलिदान का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर" के दौरान बीएसएफ ने सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों का मनोबल बनाए रखा और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में अहम भूमिका निभाई। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद सीमा सुरक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। सेना और बीएसएफ का आधुनिकीकरण हुआ है तथा अत्याधुनिक तकनीक और संसाधनों से उन्हें मजबूत बनाया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा बल को आधुनिक सुविधाएं और तकनीक उपलब्ध कराना जारी रखेगी।

इस दौरान अमित शाह ने सीमा चौकियों पर बनी 14 नई महिला बैरकों का ई-लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि देश की बेटियां आज सीमा सुरक्षा में बेटों से दो कदम आगे हैं और वर्ष 2030 तक महिला जवानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में बीएसएफ की चौकियों पर 40 करोड़ रुपये की लागत से 79 महिला बैरकों का निर्माण कराया जा रहा है, जिनमें से 67 तैयार हो चुकी हैं।

गृह मंत्री ने सांचू पोस्ट के ऐतिहासिक महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 1965 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान ने इस पोस्ट पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय जवानों ने वीरता दिखाते हुए दुश्मन को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि सांचू पोस्ट भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है और यहां हर साल "सांचू विजय दिवस" मनाया जाता है।

अमित शाह ने सीमा सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए बीएसएफ, सेना, प्रशासन और जागरूक नागरिकों के बीच मजबूत "चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड" बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीमापार घुसपैठ, स्मगलिंग और ड्रोन गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी होगी। केंद्र सरकार अगले छह महीनों में सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की शुरुआत करेगी।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 1096 किलोमीटर लंबी लिटरल रोड और 520 किलोमीटर लंबी एक्ससीएल रोड का निर्माण किया जा रहा है, जिससे जवानों की आवाजाही और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। साथ ही 180 सीमा चौकियों तक पाइपलाइन के जरिए पेयजल पहुंचाने का काम भी पूरा कर लिया गया है।

इस अवसर पर अमित शाह ने सांचू माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने खेजड़ी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी बीकानेर में पौधारोपण करते हुए लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, गृह सचिव गोविंद मोहन, बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार, आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सेना के जवान मौजूद रहे।

'सुजस' क्विज विजेताओं का सम्मान, युवाओं में बढ़ रही जागरूकता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजस्थान द्वारा आयोजित 'सुजस' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह मंगलवार को जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त राकेश शर्मा ने विजेताओं को प्रमाण-पत्र और राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित साहित्य सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राकेश शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार की मासिक पत्रिका 'सुजस' राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और समसामयिक विषयों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता युवाओं में ज्ञान, जागरूकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आए विजेताओं ने अपने अनुभव भी साझा किए। प्रतिभागियों ने बताया कि 'सुजस' ई-बुलेटिन और मैगजीन के

जरिए उन्हें राजस्थान के इतिहास, कला-संस्कृति और विकास कार्यों की प्रामाणिक जानकारी एक ही मंच पर मिलती है। उन्होंने कहा कि क्विज प्रतियोगिता से सामान्य ज्ञान मजबूत हुआ है और पढ़ने की रुचि भी बढ़ी है। समारोह में राकेश कुमार लववंशी (झालावाड़), अंकित मालव (कोटा), कमल वर्मा (जयपुर), रामस्वरुप मिर्धा (कुचामन-डीडवाना), सांवरमल सिहाग (चूरू), नीलम सवाई सिंह जग्गुका (जयपुर) और शुभम कुमार शर्मा (जयपुर) सहित कई विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विभाग के अतिरिक्त निदेशक गोरधन लाल शर्मा, नर्बदा इंदौरिया, वित्तीय सलाहकार रोहताश सिंह यादव और 'सुजस' के संपादक अजय कुमार सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

भीषण गर्मी में जयपुर नगर निगम की ठंडी पहल, क्या यह पानी साफ है ?

जयपुर रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी जयपुर में इन दिनों सूरज के तेवर तीखे बने हुए हैं और पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है । इस भीषण और झुलसाने वाली गर्मी के बीच जयपुर नगर निगम ने आमजन और वाहन चालकों को राहत देने के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है। नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख व्यस्ततम चौराहों, जैसे 'छोटी चौपड़' पर पानी की फुहारें फेंकने वाली (फॉग स्प्रिंकलर) मशीनें लगाई गई हैं, जो इस तपती धूप में लोगों को शीतलता का अहसास करा रही हैं।

रेड लाइट पर फुहारों से मिल रही 5 मिनट की राहत

छोटी चौपड़ पर लगी इन मशीनों से निकल रही ठंडी फुहारों का लुत्फ उठाने के लिए विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालक और राहगीर रुक रहे हैं । यातायात सिग्नलों पर रुकने वाले लोग इन फुहारों के नीचे आकर कुछ समय के लिए तरोताजा महसूस कर रहे हैं।

स्थानीय निवासी मोहन लाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "धूप में चलते हुए इस चौराहे पर आकर 2 मिनट के लिए बहुत अच्छी राहत मिल जाती है, हालांकि आगे फिर धूप में ही जाना है"। वहीं ओला चालक शुभम ने बताया कि इस भीषण गर्मी को पूरी तरह तो कम नहीं किया जा सकता, लेकिन चौराहे पर रुकने के दौरान मिलने वाली 5 मिनट की यह राहत बहुत सुकून देने वाली है । खेल खेलने जा रहे बच्चों ने भी इसे एक बेहतरीन व्यवस्था बताया ।

साफ पानी का किया जा रहा इस्तेमाल

अक्सर इस प्रकार की व्यवस्थाओं में पानी की शुद्धता को लेकर सवाल उठते हैं, लेकिन निगम की इस व्यवस्था में पानी की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा गया है। मौके पर तैनात पानी के टैंकरों में लगे फिल्टर और पानी को देखने पर यह पूरी तरह साफ और स्वच्छ नजर आया, जिससे राहगीरों को किसी भी तरह के संक्रमण या बीमारी का खतरा नहीं है ।

चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस ने भी संभाला मोर्चा, दीं अहम नसीहतें

इस दौरान छोटी चौपड़ पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने भी मोर्चा संभाला। ड्यूटी पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मी साहब सिंह ने लाउडस्पीकर के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहा, "डीजल-पेट्रोल की बचत और पर्यावरण सुरक्षा के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल (EV) और मेट्रो जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। साथ ही, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चौपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें"।

गर्मी के इस मौसम में नगर निगम द्वारा की गई फॉग स्प्रिंकलर की यह व्यवस्था शहरवासियों के लिए एक बड़ी राहत बनकर उभरी है।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

जयपुर/बालोतरा । बालोतरा जिले की ग्राम पंचायत चीबी में सोमवार रात आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क, मोबाइल नेटवर्क और राजस्व मामलों से जुड़ी समस्याएं प्रभारी सचिव हरजीलाल अटल के समक्ष रखीं। चौपाल के दौरान अधिकारियों को मौके पर ही कई समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए, जबकि शेष मामलों के जल्द निस्तारण का भरोसा दिलाया गया। रात्रि चौपाल की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी सचिव हरजीलाल अटल ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांवों से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने पेयजल संकट की समस्या प्रमुखता से उठाई। इस पर प्रभारी सचिव ने संबंधित अधिकारियों को अभावग्रस्त क्षेत्रों में नियमित रूप से टैंकरों के जरिए जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई करने और पात्र उपभोक्ताओं तक पर्याप्त पानी पहुंचाने पर भी जोर दिया। मनरेगा के तहत स्वीकृत सड़कों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण संपर्क मार्गों का मजबूत होना आवश्यक है, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। साथ ही लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। बिजली संबंधी शिकायतों पर गंभीरता दिखाते हुए प्रभारी सचिव ने जर्जर विद्युत पोलों को तत्काल बदलने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत चेनपुरा और बलदेव नगर के बीच क्षतिग्रस्त पोलों का सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं पात्र परिवारों को प्राथमिकता से बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने और अधिक बिल आने की शिकायतों पर मीटर जांच कराने के निर्देश भी दिए गए। मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने चिंता जताई, जिस पर दूरसंचार कंपनियों से समन्वय कर नेटवर्क व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बंटवारे और रास्ता खोलने जैसे लंबित राजस्व मामलों पर भी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। चौपाल के दौरान कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा गांव स्तर पर पहुंचकर समस्याएं सुनने और समाधान के प्रयासों की सराहना की।

बजट घोषणाओं की समय पर क्रियान्विति करें सुनिश्चित

योजनाओं का पहुंचाऐं आमजन तक लाभ - भरतपुर जिला प्रभारी सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव सहकारिता एवं भरतपुर जिला प्रभारी सचिव आनन्दी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को सर्किट हाऊस में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि पूर्व बजट 2025-26 की घोषणाओं की क्रियान्विति व सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्रजनों तक पहुंचाने को प्राथमिकता दें। जिला प्रभारी सचिव ने बीडीए, जिला परिषद, मेडीकल कॉलेज, कृषि, उद्यान विभाग, समाज कल्याण, शिक्षा विभाग, नगर निगम सहित विभिन्न विभागों से बजट 2025-26 एवं 2026-27 की घोषणाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सभी योजनाओं और परियोजनाओं का समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट में घोषित सभी योजनाओं और परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के हित में कार्य करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय से काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों में बजट घोषणाओं के अनुसार कार्यों में गति लाएं और किसी भी प्रकार की देरी या अड़चनों को तुरंत सुलझाने का प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व बजट 2025-26 की घोषणाओं की क्रियान्विति व सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री का यही विजन है कि सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर जल्द से जल्द उतारा जाए। बैठक में भरतपुर जिला कलक्टर कमर चौधरी, आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृदुल सिंह, आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर: मिशन मोड पर नाला सफाई, मानसून से पहले 50% से अधिक कार्य पूरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मानसून से पहले शहर को जलभराव और गंदगी की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर निगम जयपुर द्वारा मिशन मोड पर नाला सफाई और मरम्मत कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसी संबंध में सोमवार को नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जोन एवं मुख्यालय के अधिशासी अभियंताओं ने कार्य प्रगति की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि नगर निगम की टीमें सभी जोन क्षेत्रों में नालों की संपूर्ण सफाई, खुले नालों पर फैरोकवर लगाने, खुले सीवर मैनहोल को ढक्कन लगाकर बंद करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्यों में जुटी हुई हैं। निगम प्रशासन का उद्देश्य है कि मानसून के दौरान आमजन को जलभराव या दुर्घटना जैसी किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। आयुक्त ओम कसेरा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून पूर्व सभी नालों की सफाई हर हाल में पूरी की जाए। उन्होंने बताया कि नगर निगम जयपुर के लगभग 900 नालों में से 50 प्रतिशत से अधिक नालों की सफाई का कार्य पूरा किया जा चुका है, जबकि करीब 35 प्रतिशत नालों पर कार्य अभी प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि सफाई के बाद निकलने वाले मलबे को भी नियमित रूप से उठाया जा रहा है, ताकि दोबारा अवरोध की स्थिति पैदा न हो। इसके साथ ही जहां भी मरम्मत की आवश्यकता सामने आ रही है, वहां तुरंत सुधार कार्य भी करवाए जा रहे हैं। नगर निगम प्रशासन ने नालों की सफाई, मैनहोल सफाई, फैरोकवर लगाने, मैनहोल ढक्कन लगाने और अन्य मरम्मत कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं, ताकि मानसून से पहले सभी तैयारियां समय पर पूरी हो सकें।

ब्रीफ खबरें

पद्मश्री सम्मान पर स्पीकर देवनानी ने दी बधाई, बोले- बढ़ा राजस्थान का गौरव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वासुदेव देवनानी ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में राजस्थान की तीन विभूतियों को पद्मश्री सम्मान मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील और स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि यह सम्मान राजस्थान की लोक संस्कृति, लोक संगीत और सेवा भावना को राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी पहचान है। उन्होंने कहा कि भपंग वादन की विलुप्त होती लोक परंपरा को जीवित रखने में गफरुद्दीन मेवाती जोगी का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। वहीं तगाराम भील ने अलगोजा वादन के जरिए राजस्थान की लोकधुनों को देश-विदेश तक पहुंचाया है। देवनानी ने कहा कि स्वामी ब्रह्मदेव महाराज ने समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज को नई दिशा दी है। ऐसे व्यक्तित्व समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिभाओं का सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, प्रतिभा और सेवा परंपरा का सम्मान है। इससे नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी सम्मानित हस्तियों के उज्ज्वल और प्रेरणादायी भविष्य की कामना भी की।

राजस्थान में अवैध शराब पर बड़ा अभियान, 5 लाख लीटर से ज्यादा वॉश नष्ट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेशभर में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। आबकारी विभाग द्वारा एक मई से 25 मई 2026 तक चलाए गए अभियान में अवैध मदिरा निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर सख्ती करते हुए 1923 मामले दर्ज किए गए हैं। विभाग के अनुसार अभियान के दौरान 843 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 84 वाहनों को जब्त किया गया है। जब्त वाहनों में 7 बड़े वाहन, 12 चारपहिया, एक तिपहिया और 64 दुपहिया वाहन शामिल हैं। आबकारी विभाग ने प्रदेशभर में बड़ी मात्रा में अवैध शराब और उससे जुड़े सामान को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान 6810 लीटर देशी शराब, 38875 लीटर अंग्रेजी शराब, 19618 लीटर बीयर, 12729 लीटर हथकड़ शराब और स्प्रिट जब्त की गई। इसके अलावा 5 लाख 13 हजार 584 लीटर वॉश नष्ट किया गया, जिसका उपयोग अवैध शराब बनाने में किया जाता है। विशेष अभियान के तहत आबकारी निरोधक दलों ने कई जिलों में दबिश दी। हनुमानगढ़ के नुवा मक्कासर, नाहर, सुरेवाल और पन्नीवाली क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 2 हजार लीटर वॉश नष्ट किया गया। वहीं जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के बस्सी, अखेपुरा, त्रिलोकपुरा, फलियावास और अन्य इलाकों में 1500 लीटर वॉश के साथ दो भट्टियां नष्ट की गईं। मौके से 70 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद हुई। आबकारी विभाग ने कहा कि प्रदेशभर में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सभी जिलों में नाकाबंदी, सघन गश्त और दबिश के जरिए अवैध शराब कारोबारियों पर शिकंजा कसा जा रहा है।

योजनाबद्ध तरीके से पूरे करें राजस्व लक्ष्य : वैभव गालरिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वैभव गालरिया ने आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व अर्जन के लक्ष्यों को योजनाबद्ध कार्यप्रणाली के जरिए समय पर पूरा किया जाए। वित्त भवन जयपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में विभागीय कार्यों और राजस्व प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में वित्त सचिव कुमारपाल गौतम, संयुक्त सचिव आबकारी वरुण मिश्रा और आबकारी आयुक्त नमित मेहता भी मौजूद रहे। वैभव गालरिया ने मदिरा दुकानों के बंदोबस्त की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन जिलों में अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है, वे जल्द रिपोर्ट भेजें। इस पर आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने बताया कि प्रदेश में अब केवल 9 क्लस्टर की 36 दुकानों का बंदोबस्त शेष है और इनमें से अधिकांश का निस्तारण जारी नीलामी प्रक्रिया में हो जाएगा। बैठक में जिलेवार राजस्व लक्ष्य और उसकी प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिन जिलों में अपेक्षित प्रगति नहीं है, वहां निरोधात्मक कार्रवाई बढ़ाई जाए। दुकानवार समीक्षा और लिफ्टिंग बढ़ाकर राजस्व लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया गया। प्रमुख शासन सचिव ने कोटा, हनुमानगढ़, बाड़मेर, जोधपुर, दौसा और उदयपुर में करोड़ों रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ने पर संबंधित अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई से राजस्व नुकसान रोकने में मदद मिलेगी। बैठक में राजस्व बकाया वसूली अभियान को भी तेज करने के निर्देश दिए गए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने भरोसा दिलाया कि माइक्रो मॉनिटरिंग के जरिए सभी लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन में रसुल बक्स को जिला जोधपुर का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मानवाधिकार, पर्यावरण, सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बालूसिंह झाला ने संगठन के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रसुल बक्स को जिला जोधपुर का राष्ट्रीय सचिव व शेर मोहम्मद को राष्ट्रीय जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। जारी कार्यालय आदेश में बताया गया कि रसुल बक्स व शेर मोहम्मद को निर्देशित किया गया है कि वे एक माह के भीतर जिला स्तर की कार्यकारिणी का गठन कर इसकी सूचना संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय को उपलब्ध करवाएं। संगठन की ओर से कहा गया कि नियुक्ति के साथ रसुल बक्स व शेर मोहम्मद संस्था के नियमों एवं देश के संविधान की पालना करते हुए जनहित में कार्य करेंगे तथा मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा और भ्रष्टाचार निवारण के क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने रसुल बक्स व शेर मोहम्मद को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान आमिना बानों, गुड्डी खान, इमित्याज खान, राकेश लोहिया, सुनील चारण, दिलावर खान, सुमन माथुर, संगीता सिंह, रूबिना बानों सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

बाबा-ए-कौमों मिल्लत मुफ़्ती अशफ़ाक़ हुसैन नईमी का 13वाँ उर्स 27 मई को

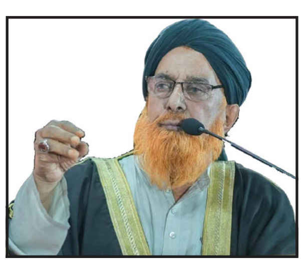

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। रूहानी, इल्मी और दीन-ए-इस्लाम की ख़िदमात के लिए मशहूर बाबा-ए-कौमों मिल्लत हज़रत मुफ़्ती अशफ़ाक़ हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलैह का 13वाँ उर्स मुबारक 27 मई, बुधवार को बड़े अदब व एहतराम के साथ मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम आध्यात्मिक इस्लामी संस्थान दारुल उलूम इस्हाकिया में मुफ़्ती-ए-आज़म राजस्थान हज़रत मुफ़्ती शेर मोहम्मद खान रज़वी की सरपरस्ती में आयोजित होगा। संस्थान प्रवक्ता शौकत अली ने जानकारी देते हुए बताया कि उर्स शरीफ का आग़ाज़ सुबह 8 बजे कुरआन ख़ानी से होगा। इसके बाद राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों से तशरीफ़ लाने वाले उलेमा-ए-किराम बाबा-ए-कौमों मिल्लत मुफ़्ती अशफ़ाक़ हुसैन नईमी की दीन, इल्म और इंसानियत के लिए दी गई ख़िदमात पर अपने ख़िताबात पेश करेंगे। इसके उपरांत मुफ़्ती-ए-आज़म राजस्थान मुफ़्ती शेर मोहम्मद खान रज़वी की सरपरस्ती में तमाम उलेमा-ए-किराम, कौम के मौअज्जिज हज़रात और तालिबे-इल्म की मौजूदगी में चादर शरीफ पेश की जाएगी। बाद नमाज़ सलातो-सलाम, कुल की फ़ातिहा और लंगर तकसीम किया जाएगा। मौलाना बरकत अली अशरफी ने बताया कि उर्स के आखिर में मुफ़्ती शेर मोहम्मद खान रज़वी मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए ख़ास दुआ फरमाएंगे। उर्स शरीफ में बड़ी तादाद में अकीदतमंदों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

समाज सेवा शिविर में गर्ल्स बागला की छात्राओं ने वितरित किए कपड़े के थैले

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय सेठ एल एन बागला बालिका उ. मा. वि. स्कूल, चूरू की छात्राओं ने घरों से तैयार कर सब्जी मंडी में कपड़े के थैले वितरित किए। आने जाने वाले सब्जी क्रेता और विक्रेताओं को पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने का संदेश दिया। कैंप प्रभारी पूनम चोटिया ने लोगों को पर्यावरण बचाने की समझाइश की। कैंप दल प्रभारी मीनाक्षी जांदू ने इस कार्यक्रम को अभियान के रूप में चला कर चूरू को प्लास्टिक मुक्त बनाने की सीख दी। प्राचार्य मुकुल भाटी ने छात्राओं द्वारा की गई इस पहल की प्रशंसा की और इसे अभियान की तरह चलाने का आव्हान किया। छात्राओं ने सब्जी विक्रेताओं से इस विषय में चर्चा कर आगे की कार्य योजना बनाने का जिम्मा लिया।

निवर्तमान पार्षदों द्वारा शहर में फैली गंदगी को लेकर नगर परिषद आयुक्त से की मुलाकात

चूरू (रॉयल पत्रिका)। निवर्तमान उप सभापति प्रतिनिधि रमजान खान के नेतृत्व में नगर परिषद में आयुक्त को निवर्तमान पार्षदों द्वारा शहर में फैली गंदगी को दूर कर साफ सफाई की व्यवस्था की जाये ताकि आमजन को परेशानी का सामना ना करना ना पड़े इसी के साथ काफी दिनों से बंद पड़े घर घर कचरा संग्रहण ऑटो टीपर चालू करने शहर को व्यवस्थित तरीके से करने पर जोर दिया गया। इसी क्रम में ज्ञापन देने वालों में निवर्तमान उप सभापति प्रतिनिधि रमजान खान, शहर अध्यक्ष असलम खोखर, विमल शर्मा, अज़ीज खान दिलावरखानी, असलम खान मोयल, गौरव शर्मा, आसिफ निर्बान, खालिद कुरैशी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रॉयल विकलांग विकास संस्थान अख्तर खान रूकनखानी, समीउल्लाह गौरी, तौफीक खान, हसनैन भाटी, फारुक राजगढ़िया आदि उपस्थित रहे।

गाय के राष्ट्रीय पशु घोषित होने तक संघर्ष जारी रखेंगे - खान

-देश की राष्ट्रपति महोदया के नाम को सौंपा ज्ञापन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान एवं जोधपुर की आम मुस्लिम समाज की ओर से जिला कलेक्टर प्रथम के माध्यम से देश की राष्ट्रपति महोदया को पत्र लिखते हुए अनुरोध किया कि गाय को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित कर पहचान पत्र जारी किए जाए। गाय के राष्ट्रीय पशु घोषित होने तक निरंतर संघर्ष जारी रखेंगे। ये मांग नवीन जोधाणा मुस्लिम जागरूक मंच के संस्थापक एवं कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश संयुक्त सचिव साजिद खान ने की। संस्थान के विधि सलाहकार एवं पूर्व पार्षद एडवोकेट असलम खान ओर एडवोकेट अब्दुल खालिद ने बताया कि भारत में गाय को प्राचीन समय से श्रद्धा, सेवा और संस्कृति का प्रतीक माना गया है। गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि व्यवस्था तथा धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण आधार रही है। दूध, गोबर एवं गौमूत्र जैसे उत्पाद ग्रामीण जीवन और खेती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समाजसेवी शकील पठान ने कहा कि वर्तमान समय में गौवंश संरक्षण की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यदि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिया जाता है तो इससे गौसंरक्षण को बढ़ावा मिलेगा तथा समाज में जागरूकता बढ़ेगी। देश की धार्मिक भावनाओं, सांस्कृतिक महत्व एवं गौसंरक्षण को ध्यान में रखते हुए गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की ज्ञापन के माध्यम से अपील की गई संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष आसिफ नूरी ने बताया कि इस मौके पर संस्था के कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारुन, पूर्व पार्षद एडवोकेट मोहम्मद असलम, एडवोकेट मोहम्मद उमर कुरैशी, समाजसेवी शकील पठान, जावेद अली खान, अकबर अली खान, जहीर हसन रहमानी, इंसाफ अली, समाजसेवी जावेद हुसैन, इफ्तिखार अहमद, नईम खान, उमर सामरिया, उस्मान कुरैशी, मोहम्मद हुसैन, अब्दुल हमीद, अब्दुल रजाक आदि उपस्थित रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत 27 मई को होगी सीएसआर कार्यशाला

हनुमानगढ़। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं जिला स्तरीय स्थायी समिति के अंतर्गत 27 मई, 2026 को प्रातः 11 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सीएसआर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव करेंगे। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की महाप्रबंधक श्रीमती आकाशदीप सिद्ध ने बताया कि कार्यशाला में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के अंतर्गत गैप फंडिंग के लिए उद्यमियों एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों को प्रेरित किया जाएगा।

"इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी" का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

-पहले अच्छे नागरिक बनें - अभिषेक सुराणा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा मदरसा जयपुर रोड, चूरू में अल्पसंख्यक बच्चों के लिए, एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। जिसमें 10 वीं और 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 85 % से ज्यादा मार्क्स लाने वाले 73 छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। इसके अलावा 3 टेबल टेनिस नैशनल खिलाड़ी, एक एयर पिस्टल नैशनल खिलाड़ी, एक कॉलेज लेक्चरार में सलेक्टेड अबरार खान, 8 प्रिन्सिपल, 5 वॉइस प्रिन्सिपल, 14 व्याख्याता ऑ का और 6 एएसआई राजस्थान पुलिस विभाग में पदौन्नति होने पर उनका भी सम्मान किया गया। "प्राइड ऑफ चूरू" इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा, समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली दो हस्तियों को प्राइड ऑफ चूरू के पुरुस्कार से नवाजा गया। जिनमें डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी और डॉ. इकराम हुसैन शिशु रोग विशेषज्ञ (HOD, प्रिन्सिपल) हैं। प्रोग्राम के दौरान ही कुछ बच्चों ने अपने करिअर के बारे में कलेक्टर से पूछा तो प्रत्येक सवाल का उन्होंने बड़ा तसल्ली बख्श ज़वाब दिया। एक बच्ची के यह पूछने पर, कि मुझे IAS बनने के लिए क्या करना चाहिए, तो कलेक्टर ने तुरंत कहा कि सब से पहले आप अपनी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करो, पर्सेनालिटी डेवलपमेंट पर ध्यान दो और एक अच्छे नागरिक बनो, बाकी सब समय के साथ ठीक हो जाएगा, अभी इतनी कम उम्र में ज्यादा चिंता अच्छी बात नहीं। सभी बच्चों को, खुद कलेक्टर द्वारा एक-एक प्रेरणास्पद किताब भी भेंट की गई (स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, मुन्शी प्रेमचन्द, ए.पि.जे.अब्दुल कलाम, जवाहरलाल नेहरू, शिव खेड़ा आदि की) सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर सेल्स टैक्स, जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गौरी सीनियर फिजिशियन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, संरक्षक हाजी याकूब थीम ने भी विचार व्यक्त किए। 10 वीं और 12 वीं बोर्ड के तीन टॉपर बच्चों को, TAB लैपटॉप भी इनाम में दिए गए। विशिष्ट अतिथि में शिक्षाविद अभिलाषा मुकुल भाटी, डॉ. मोहर सिंह मीना (अध्यक्ष मीना महा सभा), रचना कोठारी (अध्यक्षा जैन तेरापंथ) मुख्य आकर्षण रहे और अपने उद्बोधन से बच्चों की हौसला अफजाई की। संरक्षक हाजी याकूब थीम द्वारा अध्यक्षता की गई। प्रोग्राम का सफल संचालन प्रिन्सिपल मोहम्मद आरिफ खान, रियाज़ खान और रशीद खान शिक्षाविद द्वारा किया गया। जनहित के कार्यो में अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए, सोसाइटी द्वारा "इन्सानियत एकता सेवा समिति" का भी अभिनंदन किया गया और समिति की प्रशंसा की गई, जिस के संस्थापक कारी करामात अली खान हैं। कार्यक्रम का आगाज कुरान की तिलावत के साथ हुआ और अतिथियों का फूल माला व साल उढाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मुस्तकीम शेख विधि सलाहकार, निसार खान रिटायर्ड डीईओ शिक्षा विभाग, रिटायर्ड डीईओ नूर मोहम्मद खान, नजीर मोहम्मद खान रिटायर्ड प्रिंसिपल, एईएन रियाज खान, मोहम्मद अली पठान, ओवैस कुरैशी, लायन आबिद खान, सलीम खान दिलावर खानी, कैप्टन जसवंत खान, हबीब खान मलवाण, समीर खान, एडवोकेट जी एन गोरी, महबूब खान नसवान, अयूब खान गॉड, जाकिर हुसैन गोरी, अबरार खान लेक्चर, सादिक खान शिक्षाविद, हबीब डायर, ईशाक खान शिक्षाविद, खुर्शीद गोरी शिक्षाविद, हनीफ खान, डॉ. गफ्फार अली खान, आसिफ खान एईएन, वसीम भाटी अध्यापक आदि काफी संख्या में प्रतिष्ठित नागरिकगण उपस्थित रहे। डॉ. एफ एच गौरी द्वारा सभी मेहमानों का और उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया। अंत में दुआ के साथ ही कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इंसानियत एकता सेवा समिति को 'कोह-ए-नूर' ख़िताब से सम्मानित किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित जयपुर रोड़ मदरसा जामिया दारुल उलूम में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम्स सोसाइटी, चूरू द्वारा आयोजित 'ऑल मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह' में इंसानियत एकता सेवा समिति चूरू को लगातार पिछले सात वर्षों से समाजसेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर सोसाइटी द्वारा "कोह-ए-नूर" ख़िताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के पदाधिकारियों ने समिति के सदस्यों का माल्यार्पण कर सदस्यों की हौसला अफ़ज़ाई करते शुभकामनायें दीं। सोसाइटी के अध्यक्ष पूर्व एडिशनल कमिश्नर शौकत अली खान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति द्वारा पिछले सात वर्षों से सामाजिक सरोकार से जुड़े जो नेक कार्य किए जा रहे हैं, वे बहुत ही सहरानीय व प्रशंसनीय है। सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूर्व एडिशनल एसपी अयूब खान, सचिव पूर्व पीएमओ डॉ. एफ एच गौरी, संरक्षक हाजी याकूब थीम, कोषाध्यक्ष प्रिंसिपल आरिफ खान ने समिति के उज्जवल भविष्य के कामना की और अपनी नेक दुआओं से नवाजा। इस अवसर पर समिति मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान, व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान, उपाध्यक्ष अध्यापक वसीम अली भाटी, प्रधानाध्यापक आवेश कुरैशी, महबूब खान नसवाण, समीर खान मुन्याण, बिलाल खान आदि समिति के सदस्यगण मौजूद रहे। समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने सोसाइटी का आभार व्यक्त किया।

मेडिकल कॉलेज में रैगिंग विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, छात्रों को कानून और अधिकारों की जानकारी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय मेडिकल कॉलेज सवाई माधोपुर में मंगलवार को रैगिंग उन्मूलन को लेकर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने छात्र-छात्राओं को रैगिंग के दुष्परिणाम, कानूनी प्रावधान और सहायता तंत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सचिव समीक्षा गौतम ने कहा कि रैगिंग केवल अनुशासनहीनता नहीं बल्कि गंभीर सामाजिक और कानूनी अपराध है, जो विद्यार्थियों के मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और भविष्य पर गहरा असर डालता है। उन्होंने बताया कि कई छात्र रैगिंग के कारण अवसाद और मानसिक तनाव का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कॉलेज परिसर में सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल बनाए रखने की अपील की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि उच्चतम न्यायालय और यूजीसी ने रैगिंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लागू की है। किसी भी प्रकार की रैगिंग पाए जाने पर एफआईआर, निलंबन, निष्कासन और छात्रवृत्ति निरस्तीकरण जैसी सख्त कार्रवाई की जा सकती है। विद्यार्थियों को एंटी रैगिंग हेल्पलाइन 1800-180-5522 और नालसा हेल्पलाइन 15100 की जानकारी भी दी गई।

असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय राजावत ने रैगिंग रोकने के उपायों, सीसीटीवी निगरानी और छात्रों के अधिकारों पर जानकारी दी। वहीं पैनल अधिवक्ता तपेश जैन ने वरिष्ठ छात्रों से नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने की अपील की। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बुद्धिप्रकाश मीना ने भी छात्रों से रैगिंग मुक्त परिसर बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ईद-उल-अज़हा त्याग, कुर्बानी और अल्लाह की इबादत का पैग़ाम देता है — मोहम्मद अनवार

-मरकरी ईदगाह में नमाज का समय सुबह 7:45 का रहेगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर की पुरानी मरकजी ईदगाह में ईद-उल-अजहा की नमाज 28 मई सुबह 7:45 पर शहर इमाम द्वारा नमाज अदा कराई जाएगी ईद-उल-अजहा का पर्व इस्लामिक कैलेंडर (हिजरी) के आखिरी महीने 'अल-हिज्जा' की 10 तारीख को मनाया जाता है। ईद उल-अज़हा कुर्बानी का असल मकसद अल्लाह की रज़ा और दिल का तकवा पवित्रता हासिल करना है। शहर इमाम ने मुबारकबाद देते हुए कहा। ईद-उल-अजहा त्याग करुणा और सेवा का सन्देश आस्था का सम्मान करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर खुली जगह और रास्तों पर कुर्बानी नहीं करें। स्वच्छता को देखते हुए अपने घरों में ही कुर्बानी करें और साफ सफाई का पूरा ध्यान रखें। कुर्बानी करते वक्त की तस्वीर फोटो वीडियो से परहेज करें और सोशल मीडिया फेसबुक इंस्टाग्राम व्हाट्सएप आदि पर अपलोड नहीं करें। निजता और आस्था का सम्मान करें। शहर काजी मौलाना अहमद अली शाह ने बताया कि यह त्योहार पैगंबर हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, अल्लाह ने उनकी भक्ति की परीक्षा लेने के लिए उनसे उनकी सबसे प्रिय वस्तु-उनके बेटे हजरत इस्माइल-की कुर्बानी मांगी थी। जब इब्राहिम अलैहे इस्लाम ने अल्लाह के हुक्म पर अपने बेटे को कुर्बान करने लगे, तब उनकी सच्ची निष्ठा देखकर अल्लाह ने उनके बेटे के स्थान पर एक दुम्बा (मेमना) रख दिया। इसी ऐतिहासिक घटना की याद में दुनिया भर के मुसलमान इस दिन पशु की कुर्बानी देते हैं। ईद -उल-अज़हा केवल रस्म निभाने का पर्व नहीं है, बल्कि इसके पीछे सामाजिक भलाई का गहरा संदेश छिपा है। इस दिन दी जाने वाली कुर्बानी के मांस को तीन बराबर हिस्सों में बांटा जाता है: पहला हिस्सा खुद और अपने परिवार के लिए रखा जाता है। दूसरा हिस्सा रिश्तेदारों और दोस्तों में वितरित किया जाता है। तीसरा हिस्सा गरीबों, अनाथों और जरूरतमंदों में बांटा जाता है। यह व्यवस्था समाज में समानता, आपसी भाईचारा और परोपकार की भावना को मजबूत करती है । ताकि कोई भी त्योहार के दिन भूखा न रहे। यह त्योहार हमें सिखाता है कि मानवता की सेवा के लिए हमें अपने स्वार्थ का त्याग करना चाहिए।

वंदे गंगा अभियान के तहत पशुपालन विभाग ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के "वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान-2026" के तहत पशुपालन विभाग, अजमेर द्वारा जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य मरुधरा में जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देना है। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने जल बचाने का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। अतिरिक्त निदेशक (क्षेत्र) डॉ. नवीन परिहार के निर्देशन में जिले के पशु चिकित्सालयों, गौशालाओं और धार्मिक स्थलों पर जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय, अजमेर की उपनिदेशक डॉ. नीतू अरोड़ा के नेतृत्व में जल संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही वरुण सागर रोड स्थित श्री कृष्ण गोपाल गौशाला में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित कर पानी की खेलियों और टंकियों की साफ-सफाई की गई, ताकि बेजुबान पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। वहीं बूढ़ा पुष्कर क्षेत्र में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। शास्त्री नगर स्थित पशुपालन विभाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में करीब 50 अधिकारियों और कर्मचारियों ने जल संरक्षण की शपथ ली। इस दौरान उपनिदेशक (पशुधन विकास) डॉ. श्रीकांत खोडवे, डॉ. भावना दहिया और डॉ. मुकेश गुर्जर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। विभाग ने पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वास्थ्य जागरूकता पर भी जोर दिया है। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए विभागीय कर्मचारियों ने प्रतिदिन सुबह नियमित योगाभ्यास शुरू कर दिया है, ताकि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर बनाकर कार्यक्षमता को बढ़ाया जा सके।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

एलआईसी के नाम रहा मार्च तिमाही, नेट प्रॉफिट के मामले में एसबीआई, एचडीएफसी जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। पब्लिक सेक्टर की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) मार्च तिमाही में वित्तीय क्षेत्र की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 23,420 करोड़ रुपये से अधिक रहा है। सीपीएसई में भी वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एलआईसी ने लाभ के मामले में पहला स्थान बरकरार रखा। एलआईसी का मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही में नेट प्रॉफिट 23 प्रतिशत बढ़कर 23,420 करोड़ रुपये रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि में 19,013 करोड़ रुपये था। कंपनी ने पिछले सप्ताह अपने तिमाही नतीजों की घोषणा की थी। एलआईसी के शानदार नतीजों के एक दिन बाद 23 मई को बीएसई में उसका शेयर शुरुआती कारोबार में लगभग पांच प्रतिशत चढ़कर 839 रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 31 मार्च, 2026 तक बढ़कर 57,29,396 करोड़ रुपये हो गईं, जो एक साल पहले 54,52,297 करोड़ रुपये थीं। यह सालाना आधार पर पांच प्रतिशत की वृद्धि है। वर्ष के दौरान कंपनी की कुल प्रीमियम आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, समायोजित नेटवर्थ बढ़कर 1,69,605 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,20,258 करोड़ रुपये थी। शेयर बाजारों के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, चौथी तिमाही में देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का लाभ 19,684 करोड़ रुपये और प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक का लाभ 19,221 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वार्षिक लाभ के मामले में एसबीआई ने एलआईसी को पीछे छोड़ दिया। एसबीआई का सालाना शुद्ध लाभ 80,032 करोड़ रुपये रहा, जबकि एलआईसी का लाभ 57,419 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इसी तरह, एचडीएफसी बैंक का वार्षिक लाभ 74,670 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का लाभ 50,147 करोड़ रुपये रहा है। अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने चौथी तिमाही में 11,378 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इसके बाद कोल इंडिया का लाभ 10,839 करोड़ रुपये रहा। वहीं, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने 8,598 करोड़ रुपये और एनटीपीसी ने 8,747 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का लाभ 4,546 करोड़ रुपये, आरईसी लिमिटेड का 3,375 करोड़ रुपये और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का लाभ 1,680 करोड़ रुपये रहा।

पीपीएफ या एसआईपी 2,000 की छोटी बचत से बन सकते हैं करोड़पति!

नईदिल्ली, एजेंसी। आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि वह अपने भविष्य के लिए एक मजबूत फाइनेंशियल प्लान तैयार करे। बढ़ती महंगाई, बच्चों की पढ़ाई, शादी, घर खरीदने और रिटायरमेंट जैसी जरूरतों को देखते हुए लोग ऐसे निवेश विकल्प तलाशते हैं, जो लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार कर सकें। भारत में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले दो निवेश विकल्प और म्यूचुअल फंड हैं। दोनों ही लंबे समय के निवेश के लिए लोकप्रिय हैं, लेकिन दोनों की प्रकृति, जोखिम और रिटर्न अलग-अलग हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर कोई व्यक्ति हर महीने 2,000 निवेश करे, तो 30 साल बाद कितना पैसा बन सकता है अगर पीपीएफ बात करें तो यह सरकार समर्थित सुरक्षित निवेश योजना है। फिलहाल, इसमें 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। अगर कोई निवेशक हर महीने 2,000 जमा करता है, तो 30 साल में कुल निवेश राशि 7.2 लाख होगी। इस पर मिलने वाले ब्याज को जोड़कर मैच्योरिटी पर करीब 24.72 लाख का फंड तैयार हो सकता है, यानी निवेशक को लगभग 17.52 लाख सिर्फ ब्याज के रूप में मिलेंगे। पीपीएफ उन लोगों के लिए बेहतर माना जाता है, जो बिना जोखिम के गारंटीड रिटर्न चाहते हैं। पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी तीनों टैक्स फ्री होते हैं। यही वजह है कि इसे कैटेगरी का निवेश कहा जाता है। साथ ही इसमें निवेश की सुरक्षा पूरी तरह सरकार के हाथ में होती है। हालांकि, इसमें लॉक-इन पीरियड लंबा होता है और बीच में पैसा निकालने की सीमाएं भी होती हैं। दूसरी ओर एसआइपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान म्यूचुअल फंड में निवेश का तरीका है। इसमें हर महीने एक निश्चित रकम निवेश की जाती है और पैसा शेयर बाजार से जुड़ा होने के कारण लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रहती है। अगर कोई निवेशक 2,000 प्रति माह में निवेश करता है और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है।

सिर्फ गहने नहीं, अब समझदारी से करें गोल्ड में निवेश

क्यों बढ़ रही है सोने की खरीद को लेकर चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सोना सिर्फ गहना नहीं, बल्कि भरोसे और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह से लेकर मुश्किल समय तक, सोना हर परिवार की आर्थिक ताकत का हिस्सा रहा है। गांव से लेकर शहर तक लोग इसे सुरक्षित निवेश मानते हैं। लेकिन अब बदलती आर्थिक परिस्थितियों में सोने को सिर्फ परंपरा के नजरिए से नहीं देखा जा रहा। बढ़ते आयात बिल, कमजोर रुपया और महंगे कच्चे तेल के बीच सोने की खरीद देश की अर्थव्यवस्था से भी जुड़ गई है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि सोना खरीदना गलत नहीं है, लेकिन खरीदने का तरीका बदलना जरूरी हो गया है।

भारत दुनिया में सबसे ज्यादा सोना खरीदने वाले देशों में शामिल है। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय परिवारों के पास करीब 34,600 टन सोना मौजूद है, जिसकी कीमत 5 लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा आंकी गई है। लेकिन भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसका सीधा असर देश के चालू खाते और रुपये पर पड़ता है। जब रुपया

कमजोर होता है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तब ज्यादा सोना आयात करना आर्थिक दबाव बढ़ा सकता है। यही वजह है कि हाल में प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक सोना खरीद टालने की अपील की थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सबसे बड़ी गलती लोग तब करते हैं, जब गहना, निवेश और ट्रेडिंग को एक जैसा मान लेते हैं। शादी या पहनने के लिए खरीदा गया गहना अलग जरूरत है, जबकि निवेश के लिए खरीदा गया सोना अलग उद्देश्य रखता है। इसके अलावा केवल मुनाफे के लिए सोने की ट्रेडिंग करना बिल्कुल अलग चीज है। पारंपरिक ज्वेलरी खरीद में मेकिंग चार्ज, जीएसटी, मार्जिन और शुद्धता जैसी कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई बार ग्राहक यह समझ ही नहीं पाता कि वह असली सोने की कीमत दे रहा है या डिजाइन और अतिरिक्त खर्च का पैसा चुका रहा है। शहरी निवेशकों के बीच अब सोने में निवेश का तरीका बदल रहा है। लोग फिजिकल ज्वेलरी की जगह गोल्ड ईटीएफ और डिजिटल विकल्पों की तरफ बढ़ रहे हैं। साल 2025 में गोल्ड ईटीएफ में करीब 43 हजार करोड़ रुपये का निवेश आया। इसी सोच के साथ गोल्ड वॉल्ट जैसे विकल्प सामने आए हैं। इसमें निवेशक एमसीएक्स से जुड़े लाइव बाजार भाव पर सोना और चांदी खरीद सकते हैं। इसमें सुरक्षित वॉल्ट स्टोरेज की सुविधा मिलती है।

देश की अर्थव्यवस्था से कैसे जुड़ा है सोना?

हर ग्राम सोना सिर्फ किसी घर के लॉकर में नहीं जाता, बल्कि उसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। ज्यादा आयात से डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव आता है। ऐसे में समझदारी से सोना खरीदना व्यक्तिगत और राष्ट्रीय दोनों स्तर पर जरूरी माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को सोना छोड़ने की जरूरत नहीं है, बल्कि खरीद का तरीका आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि आज के दौर में निवेश सोच-समझकर करना जरूरी है। सोने को भावनाओं के साथ-साथ आर्थिक नजरिए से भी समझना होगा। अगर निवेशक पारदर्शी और सुरक्षित माध्यमों को अपनाते हैं तो उन्हें बेहतर सुरक्षा और सही कीमत दोनों मिल सकती हैं। अब सोने की खरीद में भी नई सोच और आर्थिक अनुशासन की जरूरत महसूस की जा रही है।

महंगा तेल और सरकारी सख्ती से बदल रही तस्वीर, देश में घट सकती है पेट्रोल-डीजल की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगे कच्चे तेल, कमजोर रुपये और सरकारी ईंधन बचत अभियान के कारण भारत में पेट्रोल-डीजल की मांग घटने की आशंका जताई गई है। ऊर्जा विश्लेषण कंपनी केप्लर ने 2026 के लिए ईंधन मांग वृद्धि के अनुमान में 39 फीसदी कटौती की है। ईरान युद्ध के कारण डिलीवरी लागत भी 19 फीसदी बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका असर आम लोगों के खर्च और बाजार की कीमतों पर पड़ सकता है। ऊर्जा विश्लेषण कंपनी केप्लर ने भारत की 2026 के लिए रिफाइंड उत्पादों की मांग वृद्धि के अनुमान में बड़ी कटौती की है। कंपनी ने मांग वृद्धि का अनुमान 39 फीसदी घटाकर करीब 78 हजार बैरल प्रतिदिन कर दिया है। पहले यह अनुमान 1.28 लाख बैरल प्रतिदिन था। रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल की मांग वृद्धि का अनुमान भी 63 हजार बैरल प्रतिदिन से घटाकर 38 हजार बैरल प्रतिदिन कर दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार महंगे होते ईंधन और आर्थिक दबाव के कारण लोग गैर-जरूरी यात्राएं कम कर सकते हैं।

क्या कीमतें अभी भी लागत से कम हैं?

विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल लगातार महंगा बना हुआ है। सरकार ने हाल के दिनों में तीन बार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन इसके बावजूद मौजूदा कीमतें तेल कंपनियों की अनुमानित लागत से कम बताई जा रही हैं। देश में पेट्रोल की औसत कीमत करीब 103 रुपये प्रति लीटर है, जबकि लागत संतुलन के लिए इसे करीब 125 रुपये प्रति लीटर होना चाहिए। इसी तरह डीजल की मौजूदा औसत कीमत करीब 94 रुपये प्रति लीटर है, जबकि संतुलन स्तर 115 से 120 रुपये प्रति लीटर बताया जा रहा है। एक सर्वे के मुताबिक मार्च से मई के बीच भारत समेत एशिया क्षेत्र में डिलीवरी लागत में 19 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

एसबीआई कर्मचारियों ने हड़ताल को वापस लिया, बैंक ने कहा सामान्य दिनों की तरह होंगे काम

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों की 25 और 26 मई को होने वाली हड़ताल को वापस ले लिया गया है। बैंक मैनेजमेंट और कर्मचारी संगठनों के बीच हुई बातचीत के बाद यह फैसला किया गया है। बैंक ने दी जानकारी में बताया है कि हड़ताल टलने की वजह से अब आज सोमवार को सभी शाखाएं समय से खुलेंगी। काम-काज सामान्य रूप से चलेगा। इससे बैंक की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई थी। हड़ताल के ऐलान के बाद बैंक ने अपने ग्राहकों से ऑनलाइन सर्विसेज का ज्यादा उपयोग करने के लिए कहा था। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से एडवाइजरी जारी करके कहा गया है कि सभी ब्रांच आज सामान्य तौर पर काम करेंगे। वहीं, सभी बैंकिंग सर्विसेज सामान्य तौर पर ग्राहकों के बैंक के ब्रांच में मिलेंगी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ने कहा, 'आल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन की तरफ से 25 और 26 मई को बुलाई गई हड़ताल को टाल दिया गया है। सभी हमारे ब्रांच आज सामान्य दिनों की तरह काम करेंगे।' एसबीआई कर्मचारियों की तरफ से इस प्रस्तावित हड़ताल के पीछे कई प्रमुख कारण थे। पहला कारण सुरक्षा को लेकर था। एसबीआई की शाखाओं में सुरक्षाकर्मियों का अभाव है। फेडरेशन के अनुसार रिटायरमेंट और प्रमोशंस की वजह से सुरक्षाकर्मियों की संख्या में गिरावट आई है।

डॉलर के मुकाबले रुपए में जोरदार रिकवरी, अमेरिका-ईरान शांति उम्मीदों से हुआ मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत होकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच लगभग तीन महीने से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक शांति समझौते पर काफी हद तक सहमति बन चुकी है, जिससे रुपए में सकारात्मक रुख देखा गया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ताकारों से कहा है कि किसी भी समझौते में जल्दबाजी न की जाए और दोनों पक्षों को पर्याप्त समय लेकर सही निर्णय लेना चाहिए।

इसके अलावा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका और भारत एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हाल की वार्ताओं के बाद द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती की संभावना है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.36 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.20 तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की मजबूती दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को 75 पैसे की बढ़त के साथ 95.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.04 पर कारोबार कर रहा था,जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का 5.43 प्रतिशत टूटकर 97.92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में भी तेजी देखी गई। सेंसेक्स 908.98 अंक चढ़कर 76,317.85 पर और निफ्टी 262.65 अंक की बढ़त के साथ 23,977.70 पर पहुंच गया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,440.47 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, 15 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.094 अरब डॉलर घटकर 688.894 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले आठ मई को समाप्त सप्ताह में इसमें 6.295 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई थी।

अमेरिका, चीन, पाकिस्तान में जब 55 प्रतिशत तक बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, पर भारत ने रखा कंट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास की रुकावटों के बाद दुनिया के कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। लेकिन, भारत में यह बढ़ोतरी ऐसे कई देशों से बहुत कम है जहां ईंधन के दाम बेतहाशा बढ़ाए गए हैं। ग्लोबल क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद भारत में कुल मिलाकर लगभग 5 फीसदी की ही बढ़ोतरी हुई। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए। चरणबद्ध तरीके से किए गए संशोधनों के तहत 15, 19 और 23 मई को हुई कीमतों की समीक्षा के बाद ऐसा किया गया। पेट्रोल की कीमत में लगभग 4.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल में करीब 4.82 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इन तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड शामिल हैं।

यह बढ़ोतरी लगभग 76 दिनों के बाद हुई। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद घरेलू ईंधन की कीमतों को काफी हद तक स्थिर रखा गया था। हालांकि, वैश्विक स्तर पर इसी अवधि के दौरान ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। म्यांमार में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 90 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 112 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मलेशिया में पेट्रोल की कीमतों में 56 प्रतिशत से अधिक और डीजल की कीमतों में 71 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हुआ। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 55 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 44.5 प्रतिशत और डीजल में 48.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ब्रिटेन में पेट्रोल की कीमतों में 19 प्रतिशत से अधिक और डीजल की कीमतों में 34 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। फ्रांस में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 21 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 31 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

कर्मचारियों और पेंशनर्स में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया है

सीधे 5 प्रतिशत बढ़ गया महंगाई भत्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। महंगाई के दौर में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बड़ी राहत वाली खबर सामने आई है। त्रिपुरा सरकार ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद राज्य कर्मचारियों का बढ़कर 41 प्रतिशत हो जाएगा। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए कहा कि यह फैसला 1 अप्रैल

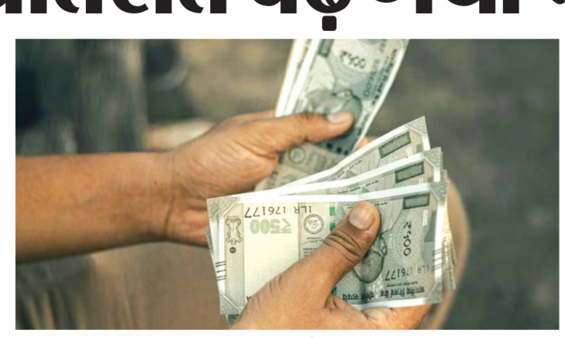

2026 से लागू माना जाएगा, यानी कर्मचारियों और पेंशनर्स को बढ़े हुए का फायदा एरियर सहित मिल सकता है। इस फैसले से त्रिपुरा के करीब 1,02,563 सरकारी कर्मचारी और 81,019 पेंशनर्स को सीधा लाभ मिलेगा।

त्रिपुरा सरकार का फैसला

त्रिपुरा सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कई अन्य राज्यों ने भी अपने कर्मचारियों के लिए बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने हाल ही में 2 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की थी। हालांकि, त्रिपुरा ने सीधे 5 प्रतिशत बढ़ोतरी करके कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। राज्य के वित्त मंत्री प्रणजीत सिंघा रॉय के अनुसार 2026-27 के कुल 34,212 करोड़ के बजट में से करीब 15,000 करोड़ सिर्फ वेतन और पेंशन पर खर्च किए जाएंगे। हालांकि, इस घोषणा को लेकर विपक्ष ने सवाल भी उठाए हैं। कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने कहा कि बढ़ोतरी की घोषणा बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री को करनी चाहिए थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने अलग से इसका ऐलान किया जो विधानसभा की परंपरा के खिलाफ माना जा सकता है। बावजूद इसके, कर्मचारियों के बीच इस फैसले को लेकर खुशी का माहौल है, क्योंकि लंबे समय बढ़ाने की मांग की जा रही थी।

रेलवे और बैंक कर्मचारियों के लिए भी संशोधन लाग

इधर केंद्र सरकार ने भी अप्रैल 2026 में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स के 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी, जिससे 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो गया। इसके बाद रेलवे और बैंक कर्मचारियों के लिए भी संशोधन लागू किया गया। मई, जून और जुलाई 2026 के लिए संशोधित किया, जिससे बैंक कर्मचारियों की सैलरी में 435 से 1,050 तक का इजाफा हुआ। वहीं महाराष्ट्र सरकार ने भी 5वें, 6वें और 7वें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों के एरियर के भुगतान को मंजूरी दी है। अब कर्मचारियों की नजर 8वें वेतन आयोग पर टिकी हुई है। कर्मचारी संगठनों ने सरकार के सामने कई बड़ी मांगें रखी हैं। इनमें महंगाई के अनुसार बढ़ाने, 50 प्रतिशत पर मर्ज करने और पेंशन सिस्टम में बदलाव जैसी मांगें शामिल हैं।

57 फीसदी नियोक्ताओं ने माना- कंपनियां भर्ती के लिए सत्यापन मानकों से कर रहीं समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। आधे से अधिक नियोक्ताओं का मानना है कि कंपनियां तेजी से भर्ती करने के लिए पृष्ठभूमि के सत्यापन से समझौता कर रही हैं। इससे तेजी से नियुक्ति और सावधानीपूर्वक जांच के बीच अंतर बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। कार्यबल और मानव संसाधन समाधान प्रदाता जीनियस एचआरटेक ने रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 57 फीसदी उत्तरदाताओं का मानना था कि संगठन तेजी से भर्ती के लिए पृष्ठभूमि के सत्यापन के मानकों से समझौता कर रहे हैं। %हायरिंग ब्लाइंड - क्या संगठन पृष्ठभूमि सत्यापन जोखिमों को नजरअंदाज कर रहे हैं?% नाम की यह रिपोर्ट जारी की गई है। यह रिपोर्ट एक अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच 1647 मानव संसाधन पेशेवरों और व्यापार क्षेत्र के दिग्गजों से मिली जानकारी पर आधारित है। रिपोर्ट

में आगे कहा गया, जैसे-जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है, आंकड़े दिखाते हैं कि भर्ती की गति और सही तरीके से जांच करने के बीच दूरी बढ़ रही है, जिसका सीधा असर काम करने वाले लोगों की विश्वसनीयता और लंबे समय में कंपनी या संगठन को होने वाले नुकसान के खतरे पर पड़ रहा है। प्रमाणपत्र धोखाधड़ी एक लगातार और बढ़ती हुई चुनौती के रूप में सामने आई है। उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें सत्यापन प्रक्रिया के दौरान फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए शैक्षिक प्रमाणपत्र मिले हैं, जबकि जबकि 33 फीसदी ने पहचान या पते से जुड़ी विसंगतियों की पहचान की है।

फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए शैक्षिक प्रमाणपत्र मिले

प्रमाणपत्र धोखाधड़ी एक लगातार और बढ़ती हुई चुनौती के रूप में सामने आई है। 33 फीसदी उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें सत्यापन प्रक्रिया के दौरान फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए शैक्षिक प्रमाणपत्र मिले हैं, जबकि जबकि 33 फीसदी ने पहचान या पते से जुड़ी विसंगतियों की पहचान की है। 21 फीसदी प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्होंने दोहरी नौकरी या मूनलाइटिंग के मामले देखे हैं।

माही विज
ने पैरेंट्स से की खास मांग

'बेटी के निकाह के लिए पैसे जोड़ने के बजाय उसे आत्मनिर्भर बनाएं

टेलीविजन जगत की जानी-मानी और बेहद लोकप्रिय अभिनेत्री माही विज इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ और अपनी नन्हीं बेटी तारा के साथ बिताए जा रहे खास पलों को लेकर सोशल मीडिया पर काफी छाई हुई हैं। जय भानुशाली और माही विज की जोड़ी को फैंस का भरपूर प्यार मिलता है। इसी बीच, माही विज ने समाज में बेटियों की शादी और उनकी परवरिश को लेकर एक बेहद गंभीर और विचारणीय मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखी है। उन्होंने लड़कियों की शादी पर चर्चा करते हुए देश के सभी माता-पिता से एक खास और भावुक अपील की है, जिसे इंटरनेट पर लोग खूब पसंद कर रहे हैं और उनके इस बयान से कई युवा लड़कियां प्रेरित हो रही हैं। माही विज ने एक इंटरव्यू और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पैरेंट्स की उस रूढ़िवादी सोच पर प्रहार किया, जो बेटी के पैदा होते ही उसकी शादी के लिए पैसे या दहेज का सामान जोड़ना शुरू कर देते हैं। माही ने कहा, 'आज के दौर में भी कई परिवारों में बेटियों की पढ़ाई से ज्यादा उनकी शादी के भव्य आयोजन और सोने-चांदी के गहनों पर खर्च करने की चिंता रहती है। हमें इस मानसिकता को पूरी तरह से बदलना होगा। एक बेटी को किसी भी आलीशान शादी या महंगे तोहफों की जरूरत नहीं होती, उसे अपनी जिंदगी में सिर्फ आपके सहयोग की जरूरत होती है। '

मौनी रॉय
ने अपने अंदाज में कान्स को कहा अलविदा समुद्र किनारे दिखाई अपनी खूबसूरत अदा

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी खास पहचान बना चुकी मौनी रॉय इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। हर बार की तरह इस बार भी मौनी ने अपने फैशन और स्टाइल से लोगों का ध्यान खींचा। अब कान्स में मौनी रॉय ने एक बार फिर बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फ्रेंच रिवेरा को अलविदा कहा है। उनके इस नए लुक के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी भी फिर चर्चा में आ गई है। मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह समुद्र के सामने बनी एक बालकनी में खड़ी नजर आ रही हैं। उन्होंने वाइट और ब्लू कलर की प्रिंटेड लॉन्ग ड्रेस पहनी है। इस ड्रेस में वह बेहद खूबसूरत लग रही है। तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिखाई दे रही हैं। कहीं वह मुस्कुराते हुए कैमरे की तरफ देख रही हैं तो कहीं समुद्र की ओर देखते हुए तस्वीरें खिंचवा रही हैं। अपने पूरे लुक को मौनी ने बेहद सिंपल, लेकिन स्टाइलिश रखा। उन्होंने बालों का जूड़ा बनाया हुआ था। इसके साथ उन्होंने ज्यादा गहने नहीं पहने, बल्कि सिर्फ एक बड़ा कड़ा हाथ में पहना हुआ था। लाइट मेकअप से उनका चेहरा निखर रहा था। फैंस को उनका यह क्लासी अंदाज काफी पसंद आया। इन तस्वीरों के साथ मौनी रॉय ने कैप्शन में लिखा, ''मैं अगले साल तक के लिए फ्रेंच रिवेरा और कान्स को अलविदा कह रही हूं।'' पिछले कुछ दिनों से मौनी लगातार कान्स से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही थीं। हर लुक में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। सोशल मीडिया पर उनके फैशन की खूब चर्चा हुई। हालांकि, कान्स में उनके फैशन के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी भी लगातार खबरों में बनी रही। हाल ही में मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए अपने अलग होने की जानकारी दी थी। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें होने लगीं। कुछ रिपोर्ट्स में एलिमनी, आपसी विवाद और किसी तीसरे व्यक्ति के शामिल होने जैसी बातें कही जाने लगीं। इन अफवाहों के बढ़ने के बाद सूरज नांबियार ने खुद सामने आकर सफाई दी। उन्होंने पोस्ट के जरिए कहा कि उनके अलग होने को लेकर जो बातें फैलाई जा रही हैं, वे पूरी तरह झूठी और गलत हैं। उनके और मौनी के बीच किसी तरह का पैसों का विवाद नहीं है। उनके रिश्ते के टूटने के पीछे कोई तीसरा व्यक्ति शामिल नहीं है। हमने आपसी समझदारी के साथ अलग होने का फैसला लिया है।

'वेलकम टू द जंगल' का सबसे धमाकेदार गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज

अक्षय कुमार और अक्षरा सिंह की जोड़ी ने लगाई आग

अपनी विशाल स्टारकास्ट और बड़े कॉमिक यूनिवर्स को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में बनी हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' ने अब अपना नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज कर दिया है। यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेज़ेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है। भव्य सेट्स, रंग-बिरंगे विजुअल्स, फेस्टिव वाइब्स और वायरल होने वाले हुक स्टेप्स के साथ 'घिस घिस घिस' को पूरी तरह मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं। अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं। विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज़ किया गया 'घिस घिस घिस' हाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है। विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाज़ों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में 'वेलकम' फ्रेंचाइज़ी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को ज़िंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं। गाने को लेकर बात करते हुए कंपोज़र और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, ''घिस घिस घिस' को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे। इसमें बॉलीवुड की एनर्जी, भोजपुरी फ्लेवर और 'वेलकम टू द जंगल' का पागलपन – सबकुछ एक साथ है। 'गाने का हुक आइडिया इश्तेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूज़िक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है। जंगली म्यूज़िक द्वारा प्रस्तुत 'घिस घिस घिस' अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूज़िक वीडियो टाइम्स म्यूज़िक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज़ खान (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्या सिंह और भाग्य भानुशाली जैसे कलाकार नजर आएंगे। अहमद खान द्वारा निर्देशित 'वेलकम टू द जंगल' को ए.ए. नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियो18 द्वारा सीता फिल्म्स और राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यह बेस इंडस्ट्रीज़ ग्रुप प्रोडक्शन है, जिसे राकेश डांग और वेदांत विकास बाली ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता फिरोज़ ए. नाडियाडवाला हैं। 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक फिल्म... बेशुमार पागलपन... और अब एक ऐसा डांस एंथम जिसे रोक पाना मुश्किल होगा।

बेवजह खर्च नहीं, फिल्म बेहतर बननी चाहिए अल्लू अर्जुन के डाउन टू अर्थ अंदाज ने जीता दिल!

एक तरफ जहां सुपरस्टार्स की जिंदगी को अक्सर लग्जरी और आलीशान लाइफस्टाइल से जोड़ा जाता है, वहीं अल्लू अर्जुन इन दिनों एक अलग वजह से लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में शामिल होने के बावजूद उनका सादगीभरा और अनुशासित अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में अल्लू अर्जुन को कई बार हैदराबाद और मुंबई के बीच कमर्शियल फ्लाइट्स में सफर करते देखा गया है। पुष्पा 2 की ऐतिहासिक सफलता और अपने बड़े प्रोजेक्ट्स को देखते हुए जहां लोग उनसे चार्टर्ड फ्लाइट्स में ट्रैवल करने की उम्मीद कर रहे थे, वहीं सूत्रों के मुताबिक अभिनेता ने खुद कमर्शियल फ्लाइट से सफर करना पसंद किया। बताया जा रहा है कि प्रोड्यूसर्स की तरफ से प्राइवेट ट्रैवल अरेंजमेंट्स ऑफर किए जाने के बावजूद उन्होंने सादगी को चुना। दिलचस्प बात यह है कि सूत्रों का कहना है कि अल्लू अर्जुन अक्सर सुविधा और फ्लाइट की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए सफर करते हैं। कई मौकों पर उन्होंने लग्जरी इंतजामों की जगह इकोनॉमी या रेगुलर कमर्शियल सीटिंग को भी चुना, जो उनके डाउन टू अर्थ नेचर को दिखाता है। एक सूत्र ने बताया, 'मेकर्स ने उनके व्यस्त शेड्यूल और आराम को देखते हुए कई बार चार्टर्ड फ्लाइट्स की व्यवस्था करने की बात कही, लेकिन अल्लू अर्जुन का मानना है कि प्रोडक्शन का पैसा पर्दे पर दिखना चाहिए, ना कि पर्दे के पीछे बेवजह खर्च होना चाहिए। उनका पूरा फोकस हमेशा फिल्म की क्वालिटी और सिनेमैटिक आउटपुट को बेहतर बनाने पर रहता है, ना कि लग्जरी पर। ' अल्लू अर्जुन का यह रवैया अब प्रोडक्शन सर्कल्स में भी चर्चा का विषय बनता जा रहा है। ऐसे दौर में जहां सुविधाएं आसानी से आदत बन जाती हैं, वहां अभिनेता अब भी बजट और संसाधनों के सही इस्तेमाल को लेकर काफी सजग रहते हैं, खासकर उन बड़े प्रोजेक्ट्स में जिनसे लोगों की उम्मीदें बहुत ज्यादा जुड़ी होती हैं। सबसे खास बात यह है कि पुष्पा 2 जैसी भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर्स में से एक देने के बाद भी अल्लू अर्जुन ने खुद को किसी सुरक्षित दायरे तक सीमित नहीं किया। चाहे जबरदस्त फिजिकल तैयारी हो, लगातार खुद को नए अंदाज में पेश करना हो या फिर राका जैसे आने वाले प्रोजेक्ट्स में हर छोटी डिटेल पर बारीकी से ध्यान देना, वह हर बार खुद को और आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं।

करण कुंद्रा से 9 साल छोटी हैं
तेजस्वी प्रकाश
बोलीं- जब करण ने डेब्यू किया तब मैं स्कूल में थी

करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश नेटफ्लिक्स के शो 'देसी ब्लिंग' को लेकर खबरों में हैं। इस शो में करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश को शादी के लिए प्रपोज किया। करण और तेजस्वी के बीच में 9 साल का एज गैप है। हाल ही में तेजस्वी ने बताया कि जब करण ने डेब्यू किया था उस वक्त तेजस्वी स्कूल में थी हाल ही में अंगद बेदी और नेहा धूपिया के चैट शो में करण और तेजस्वी पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ और करियर को लेकर बातें की। तेजस्वी और करण ने अपने और करण के एज गैप पर भी बात की करण ने अपनी जर्नी के बारे में बताते हुए कहा,'ये बहुत एडवेंजर्स था। जालंधर छोटा सा टाउन है मुंबई और दिल्ली के मुकाबले में। छोटे शहर में सिंपल जिंदगी होती हैं ।इंटरनेट ने सबकुछ बदल दिया। मैं एक कॉल सेंटर चला रहा था और अपने पापा के साथ काम कर रहा था। एक दिन मैंने एकता कपूर को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। ये 2008 की बात है। उन्होंने जवाब में कहा मुंबई आओ' जब तेजस्वी से उनके बारे में पूछा गया तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि 2008 में वो स्कूल में थीं। तेजस्वी ने कहा, 'ये फनी है क्योंकि मैंने करण के लव स्कूल के अलावा कोई शो नहीं देखा है। मुझे करण इंटरेस्टिंग लगे। लेकिन जैसा मैंने सोचा था कि मैं इस तरह के लड़के डेट करूंगी तो करण उससे बिल्कुल अलग है। करण से पहले मैंने किसी एक्टर को डेट नहीं किया था। मुझे वर्कप्लेस पर डेटिंग पसंद नहीं। मैं प्रोफेशनल रहना पसंद करती हूं।'बता दें कि करण और तेजस्वी ने 2021 में डेटिंग शुरू की थी। दोनों सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस में मिले थे। ये बिग बॉस का 15वां सीजन था जहां करण और तेजस्वी के बीच प्यार हुआ। इसके बाद से दोनों साथ हैं।

एपी को डेट कर रहीं क्रिस्टल डिसूजा ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा आज किसी पहचान मोहताज नहीं हैं. वो अक्सर किसी न किसी कारण चर्चा में रहती हैं. क्रिस्टल को पिछली बार रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' में देखा गया था. उन्होंने इस फिल्म के हिट सॉन्ग 'शरारत' में जोरदार डांस किया है। अब क्रिस्टल अपनी लव लाइफ को लेकर खबरों में आ गई हैं। दरअसल, एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद कहा जा रहा है कि उनकी जिंदगी में नए प्यार की एंट्री हो गई है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर और पैपराजी वरिंदर चावला के अनुसार, क्रिस्टल डिसूजा नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'देसी ब्लिंग' के कंटेस्टेंट एपी को डेट कर रही हैं। दोनों के बीच अफेयर और डेटिंग की खबरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इस चर्चा की शुरुआत तब हुई, जब वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन आमिर खान ने एक इवेंट का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। सोशल मीडिया पर क्रिस्टल डिसूजा और एपी का एक वीडियो सामने आया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एपी अपने दोस्तों के बीच क्रिस्टल को कसकर पकड़े नजर आ रहे हैं और उन्हें किस करते भी दिखाई दिए। इस दौरान क्रिस्टल भी काफी खुश नजर आई। हालांकि, अभी तक दोनों में से किसी ने भी इस रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई है क्रिस्टल डिसूजा की लव लाइफ अक्सर ही चर्चा में रही है। सबसे पहले उनका नाम टीवी एक्टर करण टैकर के साथ जुड़ा था। दोनों के अफेयर की खबरें 'एक हजारों में मेरी बहना है' शो के दौरान से शुरू हुई थीं। हालांकि, बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। इसके बाद क्रिस्टल का नाम मुंबई के एक मशहूर रेस्तरां मालिक गुलाम गौस दीवानी के साथ जुड़ा। दोनों करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए। इसके अलावा क्रिस्टल का नाम ऋत्विक धनजानी के साथ भी जुड़ चुका है।

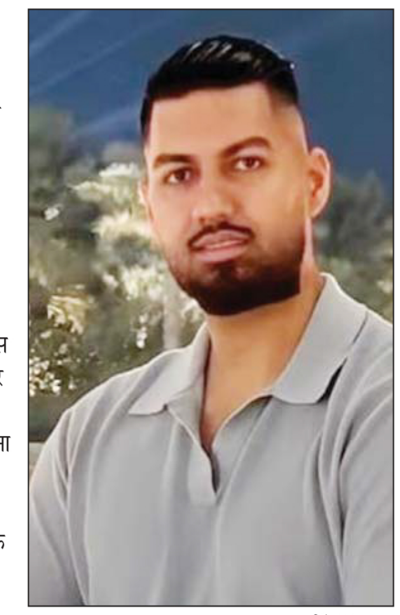

(साभार एजेंसी)

हार्दिक पंड्या की कप्तानी पर मंडराया खतरा?

● पोलार्ड ने कहा यह वैसा सीजन नहीं रहा जैसा वह चाहते थे

मुंबई (एजेंसी) मुंबई के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने आईपीएल 2026 में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कप्तान हार्दिक पंड्या की लीडरशिप को लेकर बड़ा बयान दिया है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस इस सीजन पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर रही और प्लेऑफ की रेस से काफी पहले बाहर हो गई। वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 30 रन की हार के साथ मुंबई का अभियान खत्म हुआ। टीम पूरे सीजन में सिर्फ चार मुकाबले जीत सकी। रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या जैसे स्टार खिलाड़ियों के बावजूद मुंबई इंडियंस लय हासिल नहीं कर सकी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कीरोन पोलार्ड ने माना कि हार्दिक पंड्या के लिए यह सीजन कप्तान के तौर पर अच्छा नहीं रहा।पोलार्ड ने कहा, लीडरशिप के नजरिए से देखें तो हार्दिक के लिए यह वैसा सीजन नहीं रहा जैसा वह चाहते थे।

सिर्फ हार्दिक को दोष देना गलत

पोलार्ड ने साफ किया कि टीम की असफलता का पूरा जिम्मा सिर्फ हार्दिक पंड्या पर नहीं डाला जा सकता। उनके मुताबिक यह सामूहिक विफलता रही। उन्होंने कहा, हार के बाद किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। खिलाड़ी, कोचिंग स्टाफ और मैनेजमेंट, सभी ने कोशिश की लेकिन चीजें हमारे मुताबिक नहीं हुईं।

क्या अगले सीजन में बदलेगा कप्तान?

हार्दिक पंड्या अगले सीजन में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे या नहीं, इस सवाल पर पोलार्ड ने सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, अब टीम मैनेजमेंट बैठकर समीक्षा करेगा। आगे क्या होगा, यह अभी कहना मुश्किल है। पोलार्ड के इस बयान के बाद हार्दिक की कप्तानी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बुमराह को आराम देने की वजह भी बताई

पोलार्ड ने जसप्रीत बुमराह को आखिरी लीग मैच में आराम देने के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि बुमराह भारतीय क्रिकेट की अहम संपत्ति हैं और बेकार के मैच में जोखिम लेना सही नहीं था।

'क्या होता अगर...' वाला सीजन रहा मुंबई के लिए

पोलार्ड ने आईपीएल 2026 को मुंबई इंडियंस के लिए मिस्ड ऑपर्च्युनिटीज वाला सीजन बताया। उनके मुताबिक टीम अहम मौकों पर लगातार जीत हासिल नहीं कर पाई और अंत में वही स्थान मिला जिसकी टीम हकदार थी।

सिंगापुर ओपन 2026

लक्ष्य और सिंधू पर टिकी भारत की उम्मीदें

सिंगापुर (एजेंसी)। 10 लाख डॉलर इनामी राशि वाले सिंगापुर ओपन टूर्नामेंट में भारत की नजरें लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू पर टिकी होंगी। दोनों खिलाड़ी इस बड़े टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर खिताब का सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेंगे।

सिंधू के सामने कठिन पहला मुकाबला – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू पहले दौर में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी से भिड़ेंगी। सिंधू ने हाल ही में थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन लगातार बड़े टूर्नामेंटों में जल्दी बाहर होने से वह दबाव में हैं। भारतीय फैंस को उनसे इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

आयुष शेट्टी और श्रीकांत पर भी नजरें – एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी कनाडा के विक्टर लाइ के खिलाफ मुकाबला खेलेंगे। विक्टर लाइ पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुके हैं। वहीं भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सामना 2021 विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मैचों में से एक माना जा रहा है।

प्रणय और उन्नति के सामने कठिन चुनौती – विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय पहले दौर में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे।

लक्ष्य सेन के सामने चीनी खिलाड़ी की चुनौती

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन हाल के टूर्नामेंटों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। पिछले सप्ताह वह पहले ही दौर में बाहर हो गए थे। सिंगापुर ओपन में लक्ष्य अपने अभियान की शुरुआत चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ करेंगे। लक्ष्य इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन खिताब जीतने से चूक गए। अब वह इस टूर्नामेंट में दमदार वापसी करना चाहेंगे।

दिल्ली ने केकेआर को 40 रन से हराया

स्टार्क-कुलदीप की घातक गेंदबाजी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल की अर्धशतकीय पारी साथ ही मिचेल स्टार्क और कुलदीप यादव की घातक गेंदबाजी के दम पर केकेआर को उनके घरेलू मैदान पर 40 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ दिल्ली ने इस सीजन का समापन जीत के साथ किया तो वहीं केकेआर को निराशा मिली। इस मैच में दिल्ली की गेंदबाजी के सामने केकेआर की बैटिंग लाइनअप पूरी तरह से बिखर गई और सिर्फ मायूसी इस टीम के हाथ लगी। हालांकि दिल्ली और केकेआर पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है लिहाजा इन दोनों टीमों का सफर इस सीजन में यहीं पर खत्म हुआ।

आईपीएल 2026 के 70वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना दिल्ली कैपिटल्स के साथ वानखेड़े स्टेडियम में हुआ। इस मुकाबले में केकेआर ने टॉस जीत लिया है और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली ने केकेआर के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए केएल राहुल की अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 5 विकेट पर 203 रन बनाए और विरोधी टीम को जीत के लिए 204 रन का टारगेट दिया। केकेआर ने दूसरी पारी में 18.4 ओवर में 163 रन बनाए और ऑलआउट हो गई। कुलदीप यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

केएल राहुल ने लगाया अर्धशतक– अभिषेक पोरेल ने केकेआर के खिलाफ 22 रन की पारी खेली जबकि साहिल पारख ने 24 रन की पारी खेली। केएल राहुल ने 25 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 60 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान अक्षर पटेल ने 39 रन की पारी खेली और आउट हो गए। डेविड मिलर 19 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हो गए। केकेआर के लिए सौरव दुबे ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

नॉर्वे को 28 वर्षों बाद फीफा वर्ल्ड कप में पहुंचाने वाले खिलाड़ी

जो कहलाते 'गोल-मशीन'

नई दिल्ली। नॉर्वे के फुटबॉलर एर्लिंग ब्रूट हालैंड को 'गोल–मशीन' कहा जाता है। 21 जुलाई 2000 को इंग्लैंड के लीड्स में जन्मे एर्लिंग एथलीट परिवार से हैं। उनके पिता अल्फ–इंगे हालैंड एक प्रोफेशनल फुटबॉलर थे। मां ग्राय मारिता ब्राउन हेप्टाथलॉन में नाम कमा चुकी हैं, जबकि दादा नॉर्वे में एक मशहूर धावक थे। महज 5 साल की उम्र में ही एर्लिंग वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके थे। जनवरी 2006 में एर्लिंग हालैंड ने खड़े होकर 1.63 मीटर की छलांग लगाई और सबसे लंबी कूद का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। जन्मजात एथलीट एर्लिंग हालैंड की परवरिश नॉर्वे में हुई, जहां उन्होंने बेहद कम उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया।

राजस्थान टीम ने 7वीं बार प्लेऑफ में बनाई जगह

2008 में बनी थी विनर; 16 साल बाद फिर से चैंपियन बनने का मौका

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग की कप्तानी में आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में जगह बना ली। राजस्थान के लिए लीग स्टेज में वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा 583 रन बनाए जबकि जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा 21 विकेट लिए। अब एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान को सनराइजर्स हैदराबाद से 27 मई को भिड़ना है। राजस्थान के लिए फाइनल की राह आसान तो नहीं है, लेकिन ये मुश्किल भी नहीं है और इस टीम के पास एक बार फिर से साल 2008 के बाद चैंपियन बनने का मौका है।

राजस्थान ने 7वीं बार बनाई प्लेऑफ में जगह

राजस्थान की टीम ने आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में जगह बनाई और इस लीग में ये 7वां मौका है जबकि इस टीम ने टॉप–4 में अपनी जगह पक्की की। राजस्थान ने इससे पहले साल 2008, 2013, 2015, 2018, 2022 और 2024 में प्लेऑफ में पहुंचने का कमाल किया था। राजस्थान ने इस लीग के 19 साल के इतिहास में दो साल का बैन भी साल 2016–17 में झेला था। यानी इस टीम ने अब तक कुल 17 सीजन में हिस्सा लिया है और इसमें अगर ये टीम 7 बार प्लेऑफ में पहुंची है तो ये अपने आप में शानदार है।

राजस्थान की टीम साल 2008 में बनी थी चैंपियन

राजस्थान की टीम के साथ ऐसा अब तक एक ही बार हुआ है कि वो प्लेऑफ में पहुंची और चैंपियन बनी। साल 2008 में इस टीम के कप्तान शेन वॉर्न थे और उनकी कप्तानी में टीम प्लेऑफ में पहुंची और पहली बार चैंपियन भी बनी। इसके बाद ये टीम साल 2022 में भी प्लेऑफ में पहुंचने के बाद फाइनल में पहुंची थी, लेकिन उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। यानी प्लेऑफ में पहुंचने के बाद ये टीम सिर्फ एक ही बार चैंपियन बन पाई है। अब इस टीम के पास मौका है कि वो 16 साल के बाद फिर से दूसरी बार चैंपियन बने।

विश्व फुटबॉल दिवस: जिंक फुटबॉल अकादमी ने 1,400 से अधिक युवाओं को दिया नया मंच

भारत में फुटबॉल को नई रफ्तार

उदयपुर। विश्व फुटबॉल दिवस के अवसर पर, हिंदुस्तान जिंक की जिंक फुटबॉल अकादमी (जेडएफए) ने भारत में फुटबॉल के विकास और उन्नति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। युवा जीवन को आकार देने में फुटबॉल की परिवर्तनकारी शक्ति का जश्न मनाते हुए, जिंक फुटबॉल ने पिछले एक वर्ष में ही जमीनी स्तर की

प्रतिभाओं को पोषित करने और भारत की फुटबॉल संबंधी आकांक्षाओं को साकार करने के अपने प्रयास में 1,400 से अधिक युवा लड़कों और लड़कियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। यह सीज़न ZFA के सफर में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। अकादमी ने तीसरी बार राजस्थान स्टेट मेन्स लीग का खिताब जीता, जो प्रतियोगिता में सबसे युवा टीमों में से एक के साथ हासिल की गई एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो इसके मजबूत विकास पथ को रेखांकित करती है। राष्ट्रीय स्तर पर, ZFA की अंडर-18 टीम AIFF अंडर-18 एलीट लीग में उपविजेता रही और भारत की दूसरी सर्वश्रेष्ठ अंडर-18 टीम के रूप में उभरी। एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, ज़ावर अकादमी ने भारतीय फुटबॉल के शीर्ष स्तरों में से एक, आई-लीग 3 में पदार्पण किया। लड़कियों की टीम ने भी अपने पदार्पण के महज एक साल के भीतर ही असाधारण प्रदर्शन किया, दून कप, डीएवी अंडर-19 नेशनल और अस्मिता फुटबॉल लीग में खिताब जीते, और वर्तमान में चल रही राजस्थान सीनियर महिला लीग में अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो जेडएफए में महिला फुटबॉल के तेजी से विकास को दर्शाता है।

'फुटबॉल सपनों को साकार करता है। ज़िंक फुटबॉल अकादमी भविष्य का निर्माण करती है' के मूल सिद्धांत से प्रेरित होकर, ZFA एक जमीनी पहल से विकसित होकर एक पेशेवर फुटबॉल प्रणाली बन गई है। सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देते हुए, अकादमी विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, सुव्यवस्थित कोचिंग पद्धतियों और प्रौद्योगिकी आधारित प्रदर्शन विश्लेषण को मिलाकर भारतीय फुटबॉलरों की अगली पीढ़ी को तैयार करती है।

खेल के मैदान से परे, अकादमी एक सच्चे छात्र-एथलीट मॉडल को बढ़ावा देती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक खिलाड़ी की शिक्षा का ध्यान रखा जाए, और वह भी पूर्ण छात्रवृत्ति के आधार पर।

2018 में अपनी स्थापना के बाद, एआईएफएफ 3-स्टार रेटिंग प्राप्त ग्राहम फुटबॉल अकादमी ने भारत के आयु-समूह के लिए लगातार खिलाड़ियों को तैयार किया, जिससे देशों की प्रतिभाएं मजबूत हुईं। हाल ही में, अकादमी ने ग्रामीण परिवेश की 20 खिलाड़ियों के साथ पहली बार खिलाड़ियों के साथ लड़कियों के लिए भारत की पहली आवासीय फुटबॉल अकादमी की भी शुरुआत की है।

अकादमी में प्रशिक्षित मोहम्मद कैफ, राजस्थान से 40 वर्षों से अधिक समय में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले खिलाड़ी बने। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और 'ज़्व के विकास कार्यक्रम की मजबूती को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'मैं हिंदुस्तान जिंक और जिंक फुटबॉल का हमेशा आभारी रहूंगा। ज़ावर में विश्व स्तरीय सुविधा में शीर्ष प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बिताए मेरे सात वर्षों ने मेरे करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। '

महिलाओं की तरफ से, ज़ावर माइंस की स्थानीय लड़की गीत मीना अकादमी की जमीनी स्तर की सफलता की कहानी का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने ज़िंक फुटबॉल कम्युनिटी स्कूल्स से अपने सफर की शुरुआत की और बाद में ट्रायल के माध्यम से 'ज़्व के पहले गर्ल्स बैच में चयन हासिल किया। उनके साथ, ज़ावर की चार अन्य लड़कियां - मीनू कुमारी मीना, बिंदिया मीना, मनीषा पटेल और सविता कालबेलिया ने भी अपनी जगह पक्की की, जो अकादमी के समुदाय पर गहरे प्रभाव और स्थानीय प्रतिभाओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आईपीएल 2026 क्वालिफायर-1

आज फाइनल के टिकट के लिए भिड़ेंगे आरसीबी और गुजरात टाइटंस

धर्मशाला (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अब अपने चरम पर पहुंच चुका है। मंगलवार को धर्मशाला में खेले जाने वाले क्वालिफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले की विजेता टीम सीधे फाइनल में जगह बनाएगी, जबकि हारने वाली टीम को क्वालिफायर-2 खेलना होगा। दोनों टीमों ने लीग स्टेज में 14 मैचों में 18-18 अंक हासिल किए, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते आरसीबी ने टॉप पर रहते हुए क्वालिफायर-1 में जगह बनाई।

● आरसीबी की ताकत बनी आक्रामक बल्लेबाजी – रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने लगातार आक्रामक बल्लेबाजी की और कई मौकों पर 200 से ज्यादा का स्कोर खड़ा किया। विराट कोहली का अनुभव, फिल साल्ट की विस्फोटक शुरुआत और मिडिल ऑर्डर की मजबूती ने आरसीबी को बेहद खतरनाक टीम बना दिया है। फिल साल्ट चोट से वापसी के बाद प्लेऑफ में खेलने के लिए तैयार हैं, जिससे टीम की बल्लेबाजी को और मजबूती मिली है। वहीं जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या और टिम डेविड जैसे खिलाड़ी भी मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मेट्रो मंडे पहल के तहत मेट्रो, डीटीसी बस में यात्रा की

नई दिल्ली, (भाषा)। ईंधन बचाने और सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई मेट्रो मंडे पहल के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और दिल्ली सरकार के अन्य मंत्रियों ने सोमवार को मेट्रो और बस से यात्रा की। मुख्यमंत्री राज निवास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास से निकटतम मेट्रो स्टेशन पहुंचीं और वहां से मेट्रो से आईटीओ स्टेशन तक गईं। आईटीओ मेट्रो स्टेशन से वह दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस में सवार हुईं और सचिवालय पहुंचीं। रेखा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक बार फिर मैंने सोमवार को दिल्ली सचिवालय जाने के लिए मेट्रो और डीटीसी बस को चुना। इतने सारे दिल्लीवासियों को सार्वजनिक परिवहन को अपनी दैनिक यात्रा का हिस्सा बनाते हुए देखकर मुझे गर्व हो रहा है।उन्होंने कहा, 'मेट्रो या बस की हर यात्रा और साझा सवारी से यातायात, प्रदूषण और ईंधन की खपत कम करने में मदद मिलती है। एक छोटा कदम, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा प्रभाव। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी तिलक मार्ग स्थित अपने आवास से दिल्ली विधानसभा तक जाने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल किया। वहीं, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) की बैठक में शामिल होने के लिए साइकिल से पहुंचे। उच्चतम न्यायालय मेट्रो स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करते हुए, विधानसभा अध्यक्ष ने यात्रियों से बातचीत की और दैनिक जीवन में पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधनों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

बैंक कारोबारों की जरूरतों के अनुरूप कर्ज विकल्प विकसित करें : सीतारमण

» देश में लगभग 32 करोड़ लोग एमएसएमई क्षेत्र में कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को सही कर्ज उपलब्ध कराने से व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है

मुंबई, (भाषा)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को बैंकों से मानक ऋण उत्पादों से आगे बढ़कर ऐसे कर्ज विकल्प विकसित करने का आग्रह किया जिनकी अदायगी संबंधित कारोबार की जरूरतों एवं आय चक्र के अनुरूप हो। सीतारमण ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के 37वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा कि गैर-मानक कारोबार के लिए एक ही तरह के ऋण उत्पाद उपयुक्त नहीं हो सकते हैं और इस दिशा में सिडबी जैसे संस्थान अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, मानक ऋण उत्पाद गैर-मानक कारोबार के लिए काम नहीं कर सकते। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विभिन्न व्यवसायों की आय अलग-अलग समय और तरीके से होती है, जबकि अभी कर्ज की अदायगी आम तौर पर मासिक आधार पर तय होती है। वित्त मंत्री ने कहा, कृषि से जुड़े उद्यमों की आय हर महीने नहीं होती, पर्यटन क्षेत्र में कमाई कुछ महीनों में केंद्रित रहती है, जबकि निर्यातकों को भुगतान में समय लगता है। ऐसे में सभी के लिए एक समान पुनर्भुगतान संरचना रखना उचित नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि नासिक, सतारा और सांगली जैसे क्षेत्रों में स्थित कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के लिए कर्ज अदायगी को फसल चक्र से जोड़ा जा सकता है। वहीं, महाबलेश्वर, माथेरान और लोनावला जैसे पर्यटन स्थलों में ऋण भुगतान को मौसमी आय के अनुरूप तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर कपड़ा और परिधान इकाइयों के लिए निर्यात चक्र को ध्यान में रखते हुए निर्यात-पूर्व एवं निर्यात-पश्चात वित्त के साथ मुद्रा जोखिम से सुरक्षा भी दी जानी चाहिए। सीतारमण ने कहा, सही उद्यम को सही समय पर और सही उद्देश्य के लिए सही ऋण उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने सिडबी से केवल ऋणदाता के बजाय छोटे उद्यमों के लिए बाजार निर्माता एवं जोखिम-साझेदार की भूमिका निभाने और स्टार्टअप कंपनियों की ऋण पूंजी जरूरतों को पूरा करने को भी कहा। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में लगभग 32 करोड़ लोग एमएसएमई क्षेत्र में कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को सही कर्ज उपलब्ध कराने से व्यापक आर्थिक प्रभाव पड़ सकता है। इस अवसर पर सिडबी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनोज मित्तल ने कहा कि छोटे उद्यमों को ऋण मुहैया कराने वाली संस्था अगले दो वर्षों में उद्योग संगठनों के साथ अपनी भागीदारी 105 से बढ़ाकर 500 करने का लक्ष्य रख रही है।

राष्ट्रपति भवन में उत्तर प्रदेश की सात विभूतियां पद्म सम्मान से सम्मानित विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ाया प्रदेश का गौरव

» कला, खेल, चिकित्सा, विज्ञान, पुरातत्व और आयुर्वेद क्षेत्र की हस्तियों को मिला राष्ट्रीय सम्मान

» पद्म विभूषण और पद्म श्री से सम्मानित विभूतियों ने देश-दुनिया में स्थापित की विशिष्ट पहचान

नई दिल्ली, । राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में उत्तर प्रदेश से जुड़ी सात प्रतिष्ठित हस्तियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म विभूषण और पद्म श्री प्रदान किए गए। कला क्षेत्र में प्रसिद्ध वायलिन वादक डॉ. एन. राजम् को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। खेल क्षेत्र में पैरा हाई जंपर प्रवीण कुमार को पद्म श्री मिला। पुरातत्व क्षेत्र में प्रो. बुद्ध रश्मि मणि, चिकित्सा क्षेत्र में प्रो. राजेंद्र प्रसाद, कृषि अनुसंधान में डॉ. अशोक कुमार सिंह, संक्रामक रोग अनुसंधान में प्रो. श्याम सुन्दर तथा आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा में डॉ. केवल कृष्ण ठकराल को पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

सम्मानित विभूतियां

- पद्म विभूषण - डॉ. एन. राजम् (कला)
- पद्म श्री - प्रवीण कुमार (खेल)
- पद्म श्री - प्रो. बुद्ध रश्मि मणि (पुरातत्व)
- पद्म श्री- प्रो. राजेंद्र प्रसाद (चिकित्सा)
- पद्म श्री - डॉ. अशोक कुमार सिंह (कृषि विज्ञान)
- पद्म श्री-प्रो. श्याम सुन्दर (अनुसंधान)
- पद्म श्री - डॉ. केवल कृष्ण ठकराल (आयुर्वेद)

मोदी सरकार का पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाना डकैती है : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में फिर से वृद्धि होने के बाद सोमवार को आरोप लगाया कि यह मोदी सरकार द्वारा रोजाना की जाने वाली डकैती है और इसका खामियाजा आम लोग भुगत रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने सवाल किया कि आखिर इस डकैती का फायदा किसे हो रहा है? पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर वृद्धि की गई। पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपए प्रति लीटर जबकि डीजल के दाम 2.71 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। पिछले दो सप्ताह से भी कम समय में यह चौथी बार है जब कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 2.61 रुपए प्रति लीटर बढ़ाकर 102.12 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है, जो पहले 99.51 रुपए प्रति लीटर थी। डीजल के दाम 2.71 रुपए बढ़ाकर 95.20 रुपए प्रति लीटर कर दिए गए हैं, जो पहले 92.49 रुपए प्रति लीटर थे। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया,ईंधन लूट का रोजाना होने वाला आक्रमण अभी ख़त्म नहीं हुआ है।10 दिनों में चौथी बार बढ़ोतरी की है। पेट्रोल की कीमत में 7.35 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम में डीज़ल- 7.53 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने आम लोगों की बचत को जलाने के लिए पेट्रोल छिड़का है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है, वर्ष 2004 से 2014 के बीच, संप्रग सरकार के दौरान, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में 175.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मोदी सरकार के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें एक प्रतिशत भी नहीं बढ़ीं। इसके बावजूद मोदी सरकार. पेट्रोल की कीमतें 2014 में 71.41 प्रति लीटर से बढ़कर 2026 में 102.12 प्रति लीटर हो गई, 43.01 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डीजल की कीमतें 56.71 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 95.20 रुपए प्रति लीटर हो गई यानी 67.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों में 43 लाख करोड़ रुपए लूट चुकी है। खरगे ने कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चौथी बार बढ़ोतरी के साथ आज एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी के शेयरों में क्रमशः 5.8 प्रतिशत, 4.44 प्रतिशत और 3.90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते उपनिरीक्षक गिरफ्तार

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के नई मंडी घड़साना थाने में तैनात एक पुलिस उपनिरीक्षक को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को बीस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि आरोपी रामेश्वरलाल को ब्यूरो की बीकानेर इकाई ने ट्रैप कार्वाई के दौरान रंगे हाथों पकड़ा।उन्होंने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उपनिरीक्षक ने एक मामले में अंतिम रिपोर्ट (एफआर) दर्ज करने के बदले शिकायतकर्ता से पचास हजार रुपए की मांग की थी। बातचीत के बाद आरोपी ने कथित तौर पर बीस हजार रुपए लेने पर सहमति जताई।शिकायत पर कार्वाई करते हुए एसीबी टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते समय गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि रिश्वत की राशि आरोपी के कब्जे से बरामद कर ली गई है।

यौन अपराधों में तुरंत मामले दर्ज हों दोषियों को कड़ी सजा मिले : विजय

» जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और आरोपियों को कठोर दंड दिलाया जाए

चेन्नई, (भाषा)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय ने सोमवार को पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि यौन अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत मामले दर्ज किए जाएं, उनकी तेजी से जांच हो और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाए। कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीडऩ एवं उसकी निर्मम हत्या की घटना के बाद मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाए और आरोपियों को कठोर दंड दिलाया जाए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने महा न्यायवादी (एटॉर्नी जनरल) को निर्देश दिया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों में मुकदमों की सुनवाई तेज की जाए। साथ ही एहतियाती उपाय और जन-जागरूकता भी की जाए। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने अधिकारियों से कहा, यौन उत्पीडऩ के मामलों की त्वरित सुनवाई होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए, ताकि यह दूसरों के लिए भी निवारक साबित हो।

छत्तीसगढ़ के बरनवापारा अभयारण्य में हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

रायपुर, (भाषा)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित बरनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में एक जंगली हाथी ने 55 वर्षीय एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला। इस घटना के बाद वन विभाग ने आसपास के गांवों को सतर्क कर दिया है। बलौदाबाजार के वन मंडल अधिकारी धम्मशील गणवीर ने बताया कि यह घटना रविवार रात लगभग नौ बजे अभयारण्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दोद गांव में हुई।गणवीर ने बताया कि ग्रामीण जहरू राम नेताम जब रविवार रात अपने खेत की रखवाली कर रहा था तब जंगली हाथी ने कुचलकर उसकी जान ले ली।अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के दल को मौके के लिए रवाना किया गया तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि मृतक के परिवार को तत्काल सहायता के तौर पर 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई है, जबकि शेष 5.75 लाख रुपए का मुआवजा आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद दिया जाएगा।

दिल्ली हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने 17.7 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने एक अंतरराष्ट्रीय यात्री के सामान से 17.720 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त करने के बाद मादक पदार्थों की तस्करी का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 12 मई को बैंकॉक से दिल्ली आए एक यात्री पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर अधिकारियों द्वारा गुप्त रूप से निगरानी रखी गई थी। बयान में कहा गया है कि इसी दौरान शारजाह से आ रहे एक अन्य यात्री को ग्रीन चैनल पार करते समय बिना किसी बैगेज टैग के बैग ले जाने के कारण मौके पर ही रोक लिया गया। सामान की एक्स-रे जांच के दौरान सीमा शुल्क अधिकारियों ने कुछ संदिग्ध तस्वीरें देखीं, जिसके बाद विस्तृत जांच शुरू की गई।

बिजली के खंभे का एक हिस्सा गिरने से सात वर्षीय बच्ची की मौत

कोलकाता,(भाषा)। कोलकाता के हेस्टिंग्स इलाके में सड़क के किनारे लगे बिजली के खंभे का एक हिस्सा गिरने से सोमवार सुबह सात वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गुडय़िा खातून के रूप में हुई है जो हेस्टिंग्स फ्लाईओवर के नीचे अपने परिवार के साथ रहती थी।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई जब बिजली के खंभे का ऊपरी हिस्सा नीचे खड़ी बच्ची पर गिर गया। बच्ची को सिर में गंभीर चोटें आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि ढांचे का एक हिस्सा खंभे से अलग होकर गिर गया। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या रखरखाव में कोई लापरवाही हुई थी ? स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली का खंभा लंबे समय से खराब हालत में था और इलाके में कोई मरम्मत का काम नहीं किया गया था।

नाबालिग का निकाह कराने के आरोप में सात लोगों पर मामला दर्ज

ठाणे, (भाषा)। ठाणे जिले के मुंब्रा में एक सामूहिक निकाह समारोह में नाबालिग लडक़ी की उसके पिता की सहमति के बिना शादी कराने के आरोप में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।एक महिला समाज सेवी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के हवाले से पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह सामूहिक निकाह पिछले साल दो दिसंबर को सोनाजी नगर में आयोजित किया गया था। अधिकारी ने कहा, सामूहिक निकाह में एक लडक़ी की शादी कराई गई, जिसकी आधार कार्ड के अनुसार जन्म तिथि 30 सितंबर 2008 है यानी वह अभी 18 साल की नहीं हुई है। यह निकाह उसके पिता की सहमति के बिना करा दिया गया।

प्रधानमंत्री बताएं कि शिक्षा मंत्री प्रधान अक्षमता के बावजूद पद पर क्यों बने हुए हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस ने सीबीएसई की 12वीं कक्षा की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़ी अनियमितताओं को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना होगा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अब तक पद पर क्यों बने हुए हैं, जबकि वह अपनी अक्षमता से खुले तौर पर छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इस मूल्याकंन प्रणाली से लाखों बच्चों का शैक्षणिक भविष्य अस्त-व्यस्त हो गया है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, सीबीएसई ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की, जिससे देशभर के लाखों बच्चों का शैक्षणिक भविष्य अस्त-व्यस्त हो गया है। कक्षा 12वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत अभूतपूर्व रूप से 3 प्रतिशत गिर गया है और पूरी प्रक्रिया अनियमितताओं से भरी रही है। उनका कहना है कि धुंधली और अपठनीय उत्तर पुस्तिकाएं, गलत मूल्यांकन, छात्रों के साथ गलत उत्तर पुस्तिकाओं का जोड़ा जाना, भुगतान में देरी, और छात्रों से अत्यधिक पुनर्मूल्यांकन शुल्क की मांग जैसे मुद्दे खड़े हुए। कांग्रेस नेता ने कहा, अब शिक्षा मंत्री, जो पूरी संस्थागत व्यवस्था के पतन की अगुवाई कर रहे हैं, इस त्रासदी के सामने आने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद आखिरकार जागे हैं। वह अब आईआईटी- कानपुर को इन तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए शामिल कर खुद को किसी उद्धारकर्ता की तरह पेश कर रहे हैं।

हरियाणा की नई नीति के तहत ग्रामीण जल प्रबंधन में गांवों की भूमिका बढ़ाई जाएगी

चंडीगढ़,(भाषा)। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अधिकारियों को ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव नीति-2026 के प्रभावी जमीनी कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने के लिए प्रत्एक जिले में आदर्श गांवों को विकसित करने का निर्देश दिया है। सोमवार को नीति की समीक्षा बैठक के दौरान रस्तोगी ने कहा कि यह पहल ग्रामीण जल प्रबंधन के विकेंद्रीकृत और समुदाय-आधारित मॉडल को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है। इसका उद्देश्य गांवों को उनकी जल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन, रखरखाव की जिम्मेदारी देकर उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने दोहराया कि राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ, कुशल और नागरिक-केंद्रित पेयजल सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शादी के नाम पर ठगी, घंटों तक दुल्हनों का इंतजार करते रहे 40 से ज्यादा दूल्हे

देवासइंदौर, (भाषा)। मध्यप्रदेश के देवास में अनाथ आश्रम की युवतियों से शादी कराने का झांसा देकर 42 दूल्हों और उनके परिजनों को ठगने के आरोप में पुलिस ने एक दम्पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। देवास के बैंक नोट प्रेस थाने के उप निरीक्षक राहुल परमार ने पीटीआई-भाषा को बताया कि शादी के नाम पर ठगी के मामले में चार लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी के आरोप में रविवार देर रात मामला दर्ज किया गया। परमार ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में सुनीता दास बैरागी और उसके पति मुकेश दास बैरागी को गिरफ्तार किया, जबकि दो फरार आरोपियों-नरसिंह दास बैरागी और दिनेश दास बैरागी की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने दूल्हों व उनके परिजनों से कहा कि वे देवास के एक धार्मिक स्थल में सामूहिक समारोह के दौरान उनकी शादी कराएंगे और इसके बदले उनसे 10,000 रुपए से 25,000 रुपए तक की राशि वसूली गई। परमार के मुताबिक, आरोपियों ने दूल्हों को झांसा दिया कि उनकी दुल्हनें इंदौर के एक अनाथ आश्रम में रहती हैं। उप निरीक्षक ने बताया, शुरुआती जांच में पता चला है कि ठगों ने सोशल मीडिया से सुंदर युवतियों की तस्वीरें लीं और उन्हें दूल्हों के पीड़ित परिवारों के सामने दुल्हनों के तौर पर पेश किया।

दिव्यांग बच्चों के लिए स्वास्थ्य बीमा लाने की योजना बना रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली सरकार एक स्वास्थ्य बीमा की योजना बना रही है, जो दिव्यांग बच्चों के लिए 13 लाख रुपए तक का कवरेज दे सकती है, जिससे हजारों माता-पिता को इलाज, सर्जरी और सहायक उपकरणों के बढ़ते खर्च में मदद मिलेगी। एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि इस प्रस्तावित पहल का मकसद ऑपरेशन, अस्पताल में इलाज, चिकित्सा प्रक्रिया और उनकी देखभाल के लिए जरूरी उपकरणों से जुड़े खर्चों को कवर करके विशेष ज़रूरतों वाले बच्चों की मदद करना है।उनके मुताबिक, दिव्यांग बच्चों को 13 लाख रुपए की मदद देने के प्रस्ताव पर अभी विभिन्न प्रशासनिक स्तर पर विचार किया जा रहा है। इसे लागू करने के फ्रेमवर्क पर चर्चा चल रही है और इसे जल्द ही कैबिनेट में रखा जाएगा।

बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 24 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में छह लोग गिरफ्तार

बेंगलुरु,(भाषा)। कर्नाटक राज्य साइबर कमांड ने डिजिटल अरेस्ट कर धोखाधड़ी करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने खुद को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताकर 74 वर्षीय बुजुर्ग महिला से 24 करोड़ रुपए ठग लिए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इरोड (तमिलनाडु) निवासी एन. शिवज्ञानम, मुंबई निवासी अक्काच मल्लिक, अहमदाबाद निवासी पलक भाई पटेल और अमित नरेंद्र पटेल, नई दिल्ली निवासी ओम प्रकाश राजपूत और बिहार निवासी गौरव कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने इस साल 10 फरवरी से 24 अप्रैल के बीच पीड़िता को डराकर यह रकम अंतरित करवाई। उसने बताया कि महिला ने अपने बैंक खाते से 26 बार में देशभर के 10 बैंकों में खुले 23 म्यूल बैंक खातों में 24 करोड़ रुपए अंतरित कर दिए।पुलिस के अनुसार यह मामला 24 अप्रैल को तब सामने आया जब बैंक ने साइबर कमांड यूनिट को संदिग्ध लेनदेन की कोशिशों की सूचना दी। इसके बाद पुलिस टीम तुरंत पहुंची और पीड़िता को समझाया-बुझाया, जिससे आगे की रकम अंतरित करने से रुकवाया।

सैनिटरी नैपकिन, अलग शौचालय की कमी की वजह से पढ़ाई नहीं छोड़ें लड़कियां : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि लड़कियों के सामने सिर्फ़ इसलिए पढ़ाई छोडऩे की स्थिति नहीं आनी चाहिए कि स्कूलों में सैनिटरी नैपकिन और अलग से शौचालय नहीं हैं। न्यायालय ने केंद्र से इस बारे में उसके निर्देशों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने को कहा। उच्चतम न्यायालय का यह बयान तब आया जब केंद्र ने कहा कि 30 जनवरी को दिए गए उसके फैसले, जिसमें अधिकारियों को लड़कियों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन और बालिकाओं के लिए अलग से शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया था, से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोशिशों में तेजी आई है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, इसे अच्छी तरह लागू करें। यह इस देश की महिलाओं और लड़कियों की भलाई के लिए है। लड़कियों को सिर्फ़ इस वजह से पढ़ाई नहीं छोडऩी चाहिए और घर पर बैठकर कुछ घरेलू काम नहीं करने चाहिए। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे से कहा, अब, यह आप पर है कि आप इसे अच्छी तरह लागू कराएं और देखें कि जहां तक हो सके, हमारे फ़ैसले के हिसाब से लाभ पहुंचाए जाएं। लैंगिक न्याय और शैक्षिक समानता लाने के लिए 30 जनवरी को दिए गए ऐतिहासिक फैसले में, उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लड़कियों को निशुल्क ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन और स्कूलों में सभी विद्यार्थियों के लिए लैंगिक आधार पर अलग-अलग शौचालय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था।इसने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कई निर्देश जारी किए थे ताकि स्कूलों में ए सुविधाएं प्रदान की जाएं, चाहे वे सरकारी हों, सहायता प्राप्त हों या निजी हों। पीठ ने कहा, केंद्र को इस बारे में सभी राज्यों को निर्देश देते रहना चाहिए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com